NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
बिजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
लखनऊ से प्रकाशित
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 13 अंक: 122 लखनऊ, शुक्रवार 15 दिसंबर 2023 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

संसद में सुरक्षा चूक पर पीएम मोदी की मंत्रियों के साथ बड़ी बैठक, सरकार ने कहा– उच्च स्तरीय जांच शुरू

एजेंसीं

नई दिल्ली बुधवार को दो लोगों ने लोकसभा में घुसपैठ कर दिया था। इसे संसद की सुरक्षा में बड़ी चूक मानी गई। सरकार ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा सुरक्षा उल्लंघन की घटना की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है और विपक्ष से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने को कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन पहले संसद में बड़े पैमाने पर सुरक्षा उल्लंघन पर चर्चा के लिए गुरुवार सुबह शीर्ष मंत्रियों के साथ बैठक में भाग लिया। इस बीच, सरकार ने संभावित खामियों की जांच के लिए एक पैनल का गठन किया। आपको बता दें कि बुधवार को दो लोगों ने

लोकसभा में घुसपैठ कर दिया था। इसे संसद की सुरक्षा में बड़ी चूक मानी गई। सरकार ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा सुरक्षा उल्लंघन की घटना की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है और विपक्ष से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने को कहा। दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद एक बयान में, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा, ष्हम सभी सहमत हैंष कि बुधवार की दुर्भाग्यपूर्ण घटना सांसदों की सुरक्षा से संबंधित एक गंभीर घटना थी। जोशी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घटना के बाद तुरंत सदन के नेताओं के साथ बैठक की और संसद की सुरक्षा को और मजबूत करने के सुझावों को सुना। उन्होंने कहा कि सांसदों द्वारा दिए गए कुछ सुझावों को पहले ही लागू किया जा चुका है और अध्यक्ष ने खुद कहा है कि भविष्य में संसद की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए और उपाय किए जाएंगे।जोशी ने पिछली घटनाओं का भी जिक्र किया जब संसद में सुरक्षा का ऐसा उल्लंघन हुआ है, उन्होंने कहा कि नारेबाजी, कागज फेंकना और गैलरी से कूदने जैसी घटनाएं पहले भी होती रही हैं। मंत्री ने सदन को बताया कि विधानसभा अध्यक्ष ने उच्च स्तरीय जांच के लिए गृह सचिव को पत्र लिखा है और जांच शुरू हो चुकी है। आज दोनों सदनों के बुलाए जाने के तुरंत बाद, अराजकता फैल गई क्योंकि विपक्षी नेताओं ने जोरदार विरोध ा प्रदर्शन किया और सुरक्षा चूक पर सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की। गरमागरम माहौल के बीच, कांग्रेस के पांच सांसदों सहित 14 सांसदों को अनियंत्रित आचरण के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया, जबकि तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओश्ब्रायन को सभापति जगदीप धनखड़ के साथ मौखिक टकराव के बाद राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। सूत्रों के हवाले से बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में पांचवें संदिग्ध को पकड़ लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना, जो 2001 के संसद हमले की 22वीं बरसी पर हुई थी,

चारों आरोपियों को सात दिन की पुलिस रिमांड, कोर्ट में किया गया था पेश

एजेंसी।

दिल्ली पुलिस के वकील अतुल श्रीवास्तव हमने 15 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड का अनुरोध किया था, जिस पर अदालत ने विचार किया और अदालत सात दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड देने की दयालु रही। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों की सात दिन की रिमांड आज मिल गई। आरोपियों को आज पटियाला हाउस कोर्ट ले जाया गया जहां अभियोजन पक्ष ने 15 दिन की रिमांड की मांग की लेकिन कोर्ट ने आरोपियों को सात दिन की रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने अदालत में यह भी दावा किया

कि आरोपियों ने लोकसभा के अंदर गैस कनस्तरों की तस्करी के लिए जूते लखनऊ से खरीदे थे जिनमें उन्होंने गुहाएं बनाई थीं। दिल्ली पुलिस के वकील अतुल श्रीवास्तव हमने 15 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड का अनुरोध किया था, जिस पर अदालत ने विचार किया और अदालत सात दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड देने की दयालु रही। जिन लोगों को हिरासत में भेजा गया है वे हैं – मनोरंजन डी, सागर शर्मा, नीलम आजाद और अनमोल शिंदे। पुलिस ने आज कहा कि उनकी टीमें जांच के लिए मुंबई, लखनऊ और मैसूरु जैसे शहरों का दौरा करेंगी, ताकि आरोपियों की वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

प्राइसलेस पर्ल स्कालर्स एकेडमी, नासिक, महाराष्ट्र ने जीती ओवरऑल चैम्पियनशिप

लखनऊ, 14 दिसम्बर। चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड (आई.ई.ओ.–2023) का भव्य समापन आज सायं सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर देश–विदेश के प्रतिभागी विजयी छात्रों को शील्ड, मैडल व सार्टिफिकेट प्रदान कर पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया। 'आई.ई.ओ.–2023' की प्रतियोगिताओं में प्राइसलेस पर्ल स्कालर्स एकेडमी, नासिक, महाराष्ट्र की छात्र टीम ने ओवरऑल चौम्पियनशिप जीतकर अपने ज्ञान विज्ञान का परचम लहराया जबकि सिटी इण्टरनेशनल स्कूल, मानस सिटी, लखनऊ एवं सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल, कुर्सी रोड, लखनऊ की छात्र टीमें रनरअप रही।

मुख्य अतिथि श्री प्रशांत किशोर सिंह, डेप्युटी डायरेक्टर जनरल, यूनीक आईटेन्टीफिकेशन ऑफ इण्डिया ने दीप प्रज्वलित कर समापन समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि विश्व का बदलता पर्यावरण आज मानवता के लिए चुनौती है, ऐसे में यह आवश्यक है कि किशोर व युवा पीढी पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो।

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड की संयोजिका व सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या सुश्री मंजीत बत्रा ने कहा कि यह अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड युवा पीढ़ी को पर्यावरणीय सुरक्षा का अग्रदूत बनाने के अपने लक्ष्य में सफल रहा है। आई.ई.ओ.–2023 की सह–संयोजिका एवं सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता बनर्जी ने देश–विदेश से पधारे प्रतिभागी छात्रों व शिक्षकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। समापन समारोह से पूर्व देश–विदेश से पधारे सभी प्रतिभागी छात्र व टीम लीडर आज लखनऊ भ्रमण पर निकले और बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, रेजीडेन्सी, घंटाघर आदि ऐतिहासिक स्थलों को देखने गये। विदित हो कि सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड का आयोजन 11 से 14 दिसम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया गया, जिसमें नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, अमेरिका, रूस, यूएई, सऊदी अरब एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों के लगभग 500 छात्रों ने प्रतिभाग किया।

ऑल इण्डिया लॉ इन्ट्रेन्स टेस्ट में सी.एम.एस. की कनिष्का मित्तल 'सिटी टॉपर'

लखनऊ, 14 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल की मेधावी छात्रा कनिष्का मित्तल ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित 'ऑल इण्डिया लॉ इन्ट्रेन्स टेस्ट (एआईएलईटी)' में सिटी टॉपर का खिताब अर्जित कर पूरे देश में लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित इस प्रतिष्ठित परीक्षा में कनिष्का ने ऑल इण्डिया 18वीं रैंक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। सी.एम.एस. के सर्वाधिक 13 मेध ाावी छात्रों ने इस वर्ष ए.आई.एल.ई.टी. में चयनित होकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। सी.एम.एस. के इन आठ होनहार छात्रों में कनिष्का मित्तल, यशी किशोर, दिव्यांश सिंह, अभिनव रघवंशी, यश रावत, अनन्या राज सिंह, अंतरा शुक्ला, आयुषी राठौर, अर्चित यादव, हिमांशी वर्मा, आर्या उपाध्याय, समृद्धि वर्मा एवं देवल तिवारी शामिल हैं। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात

शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी एवं सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. के इन मेधावी छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। ए.आई.एल.ई.टी. में चयन के उपरान्त अब ये छात्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली एवं इससे सम्बद्ध कालेजों में बी.ए.एल.एल.बी. आनर्स कोर्स में एडमीशन लेकर अपने सपनों को साकार कर पायेंगे। सी.एम.एस. के इन मेधावी छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता एवं शिक्षकों के अलावा सी.एम.एस. के शान्तिपूर्व व ईश्वरीय एकता से ओतप्रोत शैक्षिक वातावरण को दिया है।

सांसदों के निलंबन पर विपक्ष ने कहा, हिटलर के रास्ते पर भाजपा, प्रह्लाद जोशी का पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन पर गृह मंत्री अमित शाह और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की विपक्ष की मांग के बीच, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सांसदों के निलंबन के लिए अलग–अलग मौकों पर दो प्रस्ताव पेश किए। शीतकालीन सत्र की शेष अवधि ा के लिए संसद से 14 विपक्षी सांसदों को निलंबित करने को लेकर विपक्षी नेताओं ने गुरुवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। निलंबित किए गए 14 सांसदों में से नौ कांग्रेस से, दो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) या सीपीएम से, और एक–एक द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से हैं। लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन पर गृह मंत्री अमित शाह और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की विपक्ष की मांग के बीच, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सांसदों के निलंबन के लिए

अलग–अलग मौकों पर दो प्रस्ताव पेश किए। संसद से सांसदों के निलंबन पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल भारत को ष्बनाना रिपब्लिकष बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह इस सरकार का स्पष्ट पाखंडपूर्ण रवैया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ संसद में सुरक्षा का बहुत बड़ा उल्लंघन हुआ है और इसके लिए जिम्मेदार शख्स सदन में बैठे सांसद प्रताप सिम्हा हैं, जिन्होंने इन लोगों को सदन में प्रवेश देने की सिफारिश की थी. वहीं सरकार से जवाब की मांग कर रहे सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। ये अब बनाना रिपब्लिक बनता जा रहा है, ये बीजेपी वाले भारत को बनाना रिपब्लिक बना रहे हैं। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री को आना चाहिए और एक बयान देना चाहिए (लोकसभा सुरक्षा उल्लंघन पर)। बीजेपी अपने मैसूर सांसद प्रताप सिम्हा की भूमिका पर चुप है और इससे ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है...सभी विपक्षी दल चाहते हैं कि गृह मंत्री आएं और बयान दें और उसके बाद सदन चलेगा। टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा कि कल जो हुआ उसके बाद, भारतीय गठबंधन चाहता था कि केंद्रीय गृह मंत्री संसद में आएं, बयान दें और फिर चर्चा हो...सरकार ने कोई बयान नहीं दिया है... .इससे यही साबित होता है कि नई संसद में सुरक्षा व्यवस्था अच्छी नहीं है। सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम ने कहा कि इससे पता चलता है कि भाजपा को संसद की कोई चिंता नहीं है, लोकतंत्र की कोई परवाह नहीं है। हमें यह देखकर आश्चर्य नहीं हुआ क्योंकि वे हिटलर के नक्शेकदम पर चलते हैं जिसने 1930 के दशक में जर्मनी में संसद भवन को जला दिया था, यही वह विचारधारा है जिसका वे पालन करते हैं। भाजपा का पलटवार संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कुल 13 सांसदों को लोकसभा से निलंबित कर दिया गया है। एक सांसद जो वेल में मौजूद नहीं थे, उन्हें भी निलंबित कर दिया गया। हमने लोकसभा अध्यक्ष से उस नाम को हटाने का अनुरोध किया और अध्यक्ष ने इसे स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष सदन का संरक्षक होता है। बयान देना हमारे वश में नहीं है।

विपक्ष के 14 सांसद निलंबित, हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

एजेंसीं

नई दिल्ली लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर सरकार से जवाब की मांग करते हुए

बृहस्पतिवार को भारी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के शीतकालीन सत्र में आज जबरदस्त तरीके से हंगामा हुआ। दोनों सदनों में कुछ खास कामकाज नहीं हो सका। दोनों ही सदनों में विपक्ष लगातार नारेबाजी करता रहा। पूरा का पूरा मामला बुधवार को संसद की सुरक्षा में हुई चूक का है। विपक्षी सांसद लगातार पूरे मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे। इसके अलावा वह भाजपा सांसद के निष्कासन की भी मांग पर अड़े हुए थे जिनके द्वारा मुहैया कराए गए पास के जरिए घुसपैठ संसद में घुसे थे। संसद के दोनों सदनों में हंगामा इतना रहा की लोकसभा से 13 सांसदों को निलंबित किया गया जबकि राज्यसभा से टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओश्ब्रायन को पूरे शीतकालीन सत्र से निलंबित हो गए। गलती से निलंबित किए जाने के बाद एसआर पार्थिबन का निलंबन रद्द कर दिया गया। आज दोनों सदनों में क्या कुछ हुआ, आपको बताते हैं। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर सरकार से जवाब की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को भारी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में आसन की अवमानना और अनादर के लिए विपक्ष के 14 सदस्यों को मौजूदा शीतकालीन सत्र की शेष अवधि ा के लिए निलंबित भी कर दिया गया। पहले कांग्रेस के पांच सदस्यों टी एन प्रतापन, हिबी इडेन, जोतिमणि, रम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस को चालू सत्र की शेष अवधि ा के लिए सदन से निलंबित किया गया। इसके बाद कांग्रेस के वीके श्रीकंदन, बेनी बेहनन, मोहम्मद जावेद और मणिकम टैगोर, द्रमुक की कनिमोई और एस आर प्रतिबन, माकपा के एस वेंकटेशन और पी आर नटराजन तथा भाकपा के के. सुब्बारायन के निलंबन का प्रस्ताव सदन में पारित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, ''हम सब सहमत हैं कि कल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना लोकसभा सदस्यों की सुरक्षा में गंभीर चूक थी।'' उन्होंने कहा कि इस मामले में लोकसभा अध यक्ष के निर्देश पर उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। जोशी ने कहा कि इस मुद्दे पर किसी भी सदस्य से राजनीति की अपेक्षा नहीं की जाती, हमें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि संसद में सुरक्षा में चूक की इस तरह की घटनाएं पहले भी होती रही हैं और उस समय के लोकसभा अध्यक्षों के निर्देशानुसार मुद्दों पर कार्रवाई की जाती रही है। अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से हंगामा न करने का अनुरोध करते हुए कहा कि संसद परिसर की सुरक्षा लोकसभा सचिवालय की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संसद की सुरक्षा सरकार का नहीं, बल्कि ''हमारा अधिकार क्षेत्र'' है। बिरला ने कहा, ''कल जो घटना घटी है उसे लेकर हम सब चिंतित हैं और संसद की सुरक्षा की जिम्मेदारी लोकसभा सचिवालय की होती है... हमने संसद की सुरक्षा के मसले पर कल चर्चा की थी और आगे फिर चर्चा करेंगे। सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी लोकसभा सचिवालय की है।'' हंगामे के बीच सदन के उपनेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सभी को सुरक्षा चूक के मामले की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें सावध ाान रहने की जरूरत है..केवल सत्तापक्ष ही नहीं बल्कि विपक्ष के सदस्यों को भी ध्यान रखना चाहिए कि अराजकता पैदा करने वालों को 'पास' न मिले।'' सिंह ने कहा कि पुराने संसद भवन में भी कागज फेंकने और दीर्घाओं से कूदने की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि सदन में हंगामे की स्थिति पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।

मुसलमानों से उनकी अस्मत लूटना ही अब एकमात्र मकसद, मथुरा मस्जिद सर्वेक्षण पर भड़के ओवैसी

एजेंसीं

नई दिल्ली ओवेसी ने पोस्ट में कहा कि चाहे वह काशी हो, मथुरा हो या लखनऊ की टाइल वाली मस्जिद, यह एक ही समूह है। कोई भी यहां समझौते को पढ़ सकता है, जिसे अदालत के समक्ष तय किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि पूजा स्थल अधि ानियम अभी भी लागू कानून है। मथुरा के शाही ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण की अनुमति देने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों से उनकी गरिमा को लूटना ही अब एकमात्र लक्ष्य है। ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद फैसले के बाद, मैंने कहा था कि इससे संघ परिवार की शरारतें बढ़ेंगी। यह पूजा स्थल अधिनियम के बावजूद ऐसी मुकदमेबाजी पर रोक लगाने के बावजूद है। यह आरोप लगाते हुए कि एक नया समूह ष्इन विवादों को बढ़ा रहा है एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि मथुरा विवाद दशकों पहले मस्जिद समिति और मंदिर के ट्रस्ट के बीच आपसी सहमति से सुलझाया गया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर का अदालत की निगरानी में अधिवक्ता आयुक्तों की तीन सदस्यीय टीम द्वारा प्राथमिक सर्वेक्षण की अनुमति दी।

सर्वेक्षण के तौर–तरीके 18 दिसंबर को तय किए जाएंगे, जब अदालत सुनवाई फिर से शुरू करेगी। ओवेसी ने पोस्ट में कहा कि चाहे वह काशी हो, मथुरा हो या लखनऊ की टाइल वाली मस्जिद, यह एक ही समूह है। कोई भी यहां समझौते को पढ़ सकता है, जिसे अदालत के समक्ष तय किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि पूजा स्थल अधिनियम अभी भी लागू कानून है। लेकिन इस ग्रुप ने कानून और न्यायिक प्रक्रिया का मजाक बना दिया है. सुप्रीम कोर्ट को इस मामले पर 9 जनवरी को सुनवाई करनी थी, तो ऐसी क्या जल्दी थी कि सर्वेक्षण का आदेश देना पड़ा?

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 30 दिसंबर को उतरेगा पहला विमान

संवाददाता। अयोध्या। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का काम आखिरी स्टेज में है। रनवे बनकर तैयार हो गया है। एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2200 मीटर व 45 मीटर चौड़े रनवे का कार्य शतदृप्रतिशत पूर्ण है। दूसरे चरण में रनवे 3700 मीटर का हो जाएगा। अयोध्या। भगवान श्रीराम की नगरी मोदी–योगी सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में है। भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के साथ–साथ अयोध्या में तमाम विकास कार्यों को तेज गति से पूरा किया जा रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसे ध्यान में रखते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य भी तेज गति से पूरा किया जा रहा है। जनवरी माह में भव्य श्रीराम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले अयोध्या जनपद में हवाई यातायात सेवाएं प्रारंभ हो जाएंगी। वहीं एयरपोर्ट पर 30 दिसंबर को ही उद्घाटन के लिए पहला विमान पहुंच जाएगा। सीएम योगी व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीके सिंह ने अभी कुछ दिन पहले ही एयरपोर्ट का निरीक्षण किया था। अधिकारियों को 15 दिसबंर तक काम पूरा करने के आदेश दिए गए थे। अधिकारियों ने भी सीएम और केंद्रीय मंत्रियों को आश्वस्त किया था कि काम युद्ध स्तर पर जारी है और तय सीमा पर काम पूरा कर दिया जाएगा। परियोजना में शामिल कुल 821.34 एकड़ भूमि का अधिग्रहण भी पूरा हो चुका है मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का काम आखिरी स्टेज में है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 15 दिसंबर 2023
sheelshukla100@gmail.com

देशभर के 14 वर्ष तक के खिलाड़ियों का राजधानी में लगेगा जमावड़ा

अण्डर-14 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की 67वी राष्ट्रीय विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे 16 दिसम्बर को शुभारंभ

संवाददाता

लखनऊ प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, कुर्सी रोड, गुडम्बा, लखनऊ में 16 से 20 दिसम्बर, 2023 तक अण्डर–14 आयु वर्ग के बालकध् बालिकाओं की 67वी राष्ट्रीय विद्यालयी एथलेटिक्स चौम्पियनशिप 2023–24 का आयोजन किया जा रहा है।यह जानकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ0 महेन्द्र देव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 16 दिसम्बरको किया जाना प्रस्तावित है। शुभारंभ समारोह में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माध्यमिक शिक्षा गुलाब देवी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा संदीप सिंह एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव भी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा प्रदेश के नामचीन खिलाड़ी भी उपस्थित रहेंगे। निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने बताया कि प्रतियोगिता में देश भर के सभी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और कतिपय संगठनों को मिलाकर 34 इकाइयों की टीमों से लगभग 1000 बालक–बालिकायें और कोच, टेक्निकल ऑफिसियल 14 दिसम्बर, 2023 से लखनऊ आयेंगे तथा प्रतियोगिता सम्पन्न होने के उपरान्त 21 दिसम्बर, 2023 को लखनऊ से प्रस्थान करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता स्कूल गेम्स फैडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में करायी जा रही है। इस राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सम्पूर्ण देश में लगभग 1000 खिलाड़ी छात्र–छात्रायें व उनके कोच–मैनेजर प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता में 14 वर्ष तक के बालकध्बालिकाओं की अलग–अलग 09 व्यक्तिगत स्पर्धायें–80 मीटर हर्डल रेस, 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 600 मीटर रेस, हाई जम्प, लांग जम्प, शॉटपुट एवं डिस्कस थ्रो तथा 01 रिले रेस की स्पर्धा का आयोजन किया जायेगा। डॉ0 देव ने बताया कि बाहर से आने वाले सभी खिलाड़ियों तथा अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था लखनऊ के विभिन्न संस्थानों तथा होटलों में की गयी है तथा आवासीय स्थलों पर पर्याप्त साफ–सफाई और फागिंग की व्यवस्था की गयी है, जिससे स्वच्छ और सुरक्षित माहौल में प्रतिभागी खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकें। मौसम को देखते हुये ठंडक का विशेष इंतजाम किया गया है। इसके अतिरिक्त भोजन व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, प्रचार–प्रसार, सुरक्षा व्यवस्था एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के लिये विभागीय अधिकारियों के निर्देशन में अलग–अलग समितियां बनायी गयी है, जो प्रतियोगिता के सफल संचालन में अपना योगदान देंगे। सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, यूटयूब इत्यादि पर प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण किया जायेगा। निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने बताया कि देशभर से आये हुये सभी खिलाड़ियों तथा अधिकारियों को उनके आवास से आयोजन स्थल तक पहुचाने के लिये यातायात प्रवाह को सुरक्षित बनाने के लिये ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था की गयी है, जिससे उनको असुविधा का सामना न करना पड़े। आयोजन स्थल और सभी आवासीय परिसरों को प्रतिदिन दो बार साफ किया जायेगा तथा परिसर में पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती रहेगी तथा मच्छरों और अन्य कीटों के लिये नियमित रूप से फॉगिंग की व्यवस्था की गयी है एवं आवासीय परिसरों में सुरक्षा गार्ड चौबीस घंटे तैनात रहेंगे। चिकित्सा सुविधा के लिये आयोजन स्थल पर चिकित्सा केंद्र स्थापित किया गया है, जिसमें योग्य चिकित्सक और पैरामेडिक्स की टीम उपलब्ध रहेगी। एम्बुलेंस सेवा भी आपात की स्थिति संभालने के लिये तैयार रहेगी तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जायेगी।

अयोध्या स्थित अयोध्या शोध संस्थान का नाम बदलकर ''अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या'' रखने का निर्णय

संवाददाता

लखनऊ । राज्य सरकार ने जनपद अयोध्या में संचालित अयोध्या शोध संस्थान को अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने के लिए इस संस्थान का नाम तत्काल प्रभाव से अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या करने का निर्णय लिया है। संस्कृति विभाग उ0प्र0 द्वारा संचालित अयोध्या शोध संस्थान 18 अगस्त, 1986 से कार्य कर रहा है। चूंकि रामायण का मूल आधार सनातन संस्कृति है, जिसकी जड़े वैदिक काल तथा उसके पूर्व से भी है। इसको दृष्टिगत रखते हुए वैदिक विज्ञान एवं साहित्य पर विस्तार से शोध करने की आवश्यकता है। इस परिप्रेक्ष में राज्य सरकार ने इस संस्थान का नाम बदलने का फैसला लिया है।

यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इसके नये नामकरण के संबंध में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा धर्मार्थ कार्य श्री मुकेश मेश्राम की ओर से शासनादेश जारी करा दिया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान परिवर्तित करने का उद्देश्य सम्पूर्ण विश्व में प्रभु श्रीराम से जुड़े रामकथा साहित्य पर गम्भीर अध्ययन एवं शोध कार्य करना है। सम्पूर्ण विश्व को एक सूत्र में पिरोने का एकमात्र तरीका सांस्कृतिक एकता है। इसलिए वैश्विक स्तर पर रामालीला के मंचन के दृष्टिगत सांस्कृतिक आदान प्रदान के क्रम में उन देशों की रामलीला का मंचन अयोध्या में तथा अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत का प्रचार–प्रसार सम्पूर्ण विश्व में किया जायेगा। जयवीर सिंह ने बताया कि इस संस्थान के माध्यम से रामकथा एवं रामायण परम्परा से जुड़े विद्वानों एवं महापुरूषों के व्याख्यान व प्रवचन आदि से इस परम्परा को स्थाई बनाया जायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला मंचन से जुड़े हुए कलाकारों को एक दूसरे की संस्कृति से परिचित होने तथा उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान किये जाने का कार्य किया जायेगा। इस प्रकार रामलीला मंचन से जुड़े लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि भारत का वैदिक ज्ञान पूरी तरह वैज्ञानिक है। समस्त वेदों में गणित, शिल्प विज्ञान, वायुयान विज्ञान, शल्य विज्ञान आदि का ज्ञान समाहित है। अतः वैज्ञानिक युग के परिप्रेक्ष में वैदिक ज्ञान को डिजिटल फार्म में होना अत्यन्त आवश्यक है, ताकि जनसामान्य को आसानी से सुलभ कराया जा सके।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि विश्व के विभिन्न भाषाओं में रचित रामचरित पर आधारित ग्रन्थों, पुरातन परम्परा के वैदिक मंत्रों एवं इन पर लिखे गये विभिन्न टीकाओं पर और अधिक अनुसंधान किये जाने, विश्व की अनेक भाषाओं जैसे अग्रेंजी, फ्रेंच, रसियन आदि भाषाओं में उपलब्ध कराने के लिए यह संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इसके साथ ही शोध कार्यों को जनमानस हेतु अधिक उपयोगी व व्यवहारिक बनाने का प्रयास करेगा। उन्होंने बताया कि देश एवं विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोधरत छात्रों को संस्थान से जोड़ने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों को संस्थान से सम्बद्ध कराया जायेगा। संस्थान द्वारा शोध साहित्य का कम से कम कीमत पर आमजनता को सुलभ कराया जायेगा।

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के पग चिन्हों पर चलना ही ममता चौरिटेबल ट्रस्ट का उद्देश्य- राजीव मिश्रा

परहित सरिस धर्म नहि भाई , पर पीड़ा नहि सम अधमायी,,कविता कानन केसरी,भक्ति शिरोमणी महात्मा तुलसी दास के इसी युक्ति से प्रेरित होकर ममता चौरिटेबल ट्रस्ट नर सेवा को नारायण सेवा मानकर रामराज की संकल्पना को फलीभूत करने में निरन्तर कार्य कर रही हैं!मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के पग चिन्हों पर चलकर निरन्तर सेवा,समर्पण,सहयोग एवं त्याग के माध्यम से समाज की सेवा विभिन्न माध्यमों से कर रही है उक्त विचार प्रेम मूर्ति प्रेमभूषण जी ने ममता चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में व्यक्त किया!आध्यात्मिक चेतना एवं धार्मिक जागरण हेतु प्रत्येक वर्ष 17 दिसम्बर से 25 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्री राम कथा के सरस गायक परम पूज्य प्रेम मूर्ति प्रेम भूषण जी महराज के सानिध्य में नव दिवसीय श्रीराम अमृत वर्षा का आयोजन होता है उसी क्रम में इस बर्ष भी 17 दिसंबर से 25 दिसंबर तक श्रीराम कथा अमृत वर्षा का आयोजन पूज्य श्री के श्रीमुख से गोमती नगर विस्तार सीएमएस फेज 2 के बगल लखनउ में होना सुनिश्चित है!आप सभी कथा का रसपान करने केलिए सादर आमंत्रित है!

उक्त बात ममता चौरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के अवध क्षेत्र उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा ने एक प्रेस वार्ता में व्यक्त किया!श्री मिश्रा ने श्री राम कथा अमृत वर्षा के कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि कथा के 9 वे दिन 25 दिसंबर की कथा भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी के नाम समर्पित होगी तथा समापन अवसर पर विशाल अटल भंडारा आयोजित होगा.22 जनवरी को प्रभु श्रीराम अपने अयोध्या जी धाम के नव निर्मित भव्य मन्दिर के गर्भ गृह में विराजमान होगे, ममता चौरिटेबल ट्रस्ट प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व श्री राम अमृत वर्षा के आयोजन से मानवता को राममय करके अलख जगा रही है! आदरणीय मोदी जी और योगी जी के रामराज के सपने को पूरा करने में हम सबको साथ आना होगा !

कृषक व मौनपालक प्रशिक्षण प्राप्त कर बन रहे आत्मनिर्भर–दिनेश प्रताप सिंह

16 दिसम्बर से 31 जनवरी तक डेढ़ माह का दिया जायेगा मौनपालन प्रशिक्षण

संवाददाता।

लखनऊ । प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश के कृषकों एवं मौनपालकों को मौनपालन के सम्बन्ध में तकनीकी एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदेश के 04 जनपदों सहारनपुर, बस्ती, प्रयागराज व मुरादाबाद के मौनपालन प्रशिक्षण केन्द्रों में दी जाती हैं। इन केन्द्रों पर वर्ष में एक दीर्घकालीन एवं तीन अल्पकालीन प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन कर कृषकों मौनपालकों को प्रशिक्षित किया जाता है। कृषकध्मौनपालक प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन रह हैं। यह प्रशिक्षण उद्यान विभाग द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण सत्र की समाप्ति पर विभाग के विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में प्रशिक्षणार्थियों का सैद्धान्तिक व व्यवहारिक परीक्षा आयोजित करायी जाती है। परीक्षा में उत्तीर्ण अर्थात 60 प्रतिशत् अथवा उससे अधिक अंक पाने वाले प्रशिणार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त किये जाने का प्रमाण–पत्र भी निर्गत किया जाता है। उन्होंने बताया कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित–बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैज्ञानिक ढंग से मौनपालन किये जाने हेतु औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर व बस्ती एवं अधीक्षक राजकीय उद्यान, प्रयागराज में 16 दिसम्बर, 2023 से 31 जनवरी, 2024 तक डेढ़ माह (45 दिवसीय) अल्पकालीन प्रशिक्षण सत्र का आरम्भ हो रहा है। उद्यान निदेशक डॉ0 अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण सत्र में पुरूष एवं महिलायें सभी वर्ग के अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है, इसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्तियों को अपने निकटतम सुविधा अनुसार संयुक्त निदेशक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर व बस्ती एवं अधीक्षक राजकीय उद्यान, प्रयागराज से सम्पर्क कर निर्धारित प्रारूप पर 16 दिसम्बर 2023 तक आवेदन कर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। आवेदन–पत्र के साथ दो सभ्रांत व्यक्तियों या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण–पत्र आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत 23.48 करोड़ रूपये की धनराशि जारी

संवाददाता। लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु महिला वर्ग हेतु प्राविधानित धनराशि 6900.00 लाख के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2022–23 तथा वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए भारत सरकार द्वारा अवमुक्त केन्द्रांश के सापेक्ष (1066.5859 लाख रूपये + 1281.08 लाख रूपये) 2347.6659 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

इस सम्बंध में मत्स्य विभाग ने शासनादेश जारी कर दिया है। निर्गत शासनादेश के अनुसार स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरणध्व्यय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में भारत सरकार द्वारा निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उपलब्ध धनराशि की सीमान्तर्गत किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस मद के लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी अन्य मद में न ही उसका व्यय किया जायेगा और न ही एक मद से दूसरे मद में इसका व्यावर्तन किया जायेगा। आंकड़ों की शुद्धता का दायित्व निदेशक मत्स्य सम्बंधित अधिकारी का होगा।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह 15 से 18 दिसम्बर तक गोरखपुर वाराणसी तथा सोनभद्र के भ्रमण पर

संवाददाता। लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री एवं प्रभारी मंत्री वाराणसी जयवीर सिंह 15 दिसम्बर से 18 दिसम्बर तक वाराणसी, गोरखपुर तथा सोनभद्र के भ्रमण पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार पर्यटन मंत्री कल गोरखपुर में होटल कोर्टयार्ड बाई मैरियट के शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ शामिल होंगे। अगले दिन 16 दिसम्बर को हिन्दुवारी के पास ग्राम गेंगुआर, रॉबर्टगंज सोनभद्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके उपरान्त मऊ कलाग्राम तहसील सदर रॉबर्टसगंज सोनभद्र में पर्यटन विभाग की भूमि पर प्रस्तावित टेन्ट सिटी का निरीक्षण करेंगे। इसके उपरान्त धंधरौल डैम, तहसील सदर रॉबर्टगंज को पर्यटन के उद्देश्य से विकसित करने के लिए निरीक्षण करेंगे। इसके उपरान्त सलखन फासिल्स पार्क का भी भ्रमण करेंगे। जयवीर सिंह शाम को अबाड़ी पिकनिक स्पॉट तहसील ओबरा सोनभद्र में अबारी पिकनिक स्पॉट का निरीक्षण करेंगे। इसके उपरान्त हाथी नाला बायोडावर्सिटी हॉट स्पॉट के भी निरीक्षण का कार्यक्रम है।

अब तक 2.44 लाख मीट्रिक टन मोटा अनाज खरीदा गया

संवाददाता। लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2023–24 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने और मोटे अनाज की खरीद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही खरीद के तहत 244810.72 मीट्रिक टन खरीद कर ली है। इस योजना के तहत अब तक 231482.12 मीट्रिक टन बाजरा, 4335.65 मीट्रिक टन मक्का और 8992.95 मीट्रिक टन ज्वार खरीदा गया है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीद के सापेक्ष किसानों को 55639.20 लाख रूपये का भुगतान पी0एफ0एम0एस0 की माध्यम से सीधे किसानों के खातों में किया गया है।

तवरित आर्थिक विकास योजना के तहत जालौन एवं मेरठ में सड़क निर्माण से संबंधित 07 कार्यों हेतु 190.01 लाख रूपये मंजूर

संवाददाता। लखनऊ । प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023–24 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत जनपद जालौन एवं मेरठ में सड़क निर्माण से संबंधित 07 कार्यों हेतु कुल 190.01 लाख रूपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी को उपलब्ध करा दी गयी है। इन कार्यों के लिए ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। नियोजन विभाग ने इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं। आदेशानुसार जनपद जालौन की विधानसभा क्षेत्र–कालपी के विकास खण्ड कदौरा एवं जालौन में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य हेतु 96.62 लाख रुपये तथा जनपद मेरठ की विधान सभा क्षेत्र मेरठ में नगर व सहायक गलियों में नाली व इण्टरलॉकिंग टाइल्स के निर्माण एवं सीसी मार्ग के निर्माण कार्य हेतु 93.39 लाख रुपये मंजूर किये गये हैं।

पीएम के नेतृत्व में पूरा होगा विकसित भारत बनाने का संकल्प – एके शर्मा

नगर विकास मंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा में लाभार्थियों को योजनाओं से किया लाभान्वित

संवाददाता।

लखनऊ । प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि हमारा देश माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत बन जायेगा। मोदी ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने की शुरूआत कर दी है और इसके लिए गरीबों, वंचितों, समाज के सबसे पिछड़े व हासिये पर रहने वाले लोगों को सुविधा सम्पन्न बनाने की शुरूआत की गयी है। इसके लिए उन्हें सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के प्रदान किया जा रहा है। मोदी जी के संकल्पों को साकार करने के लिए ही उनकी प्रेरणा से देशभर में विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत 15 नवम्बर, 2023 से की गयी और यह 26 जनवरी, 2024 तक देश के कोने–कोने में करोड़ों लोगों तक पहुंचेगी तथा देशवासियों में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति, संस्कृति एवं शहीदों के प्रति श्रद्धाभाव के साथ आपसी भाईचारा का संचार करेगी। साथ ही गरीबों, वंचितों एवं पीड़ितों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान करने का प्रयास किया जायेगा। मोदी की नीतियों से देश व प्रदेश में परिवर्तन की बयार चल रही है। साथ ही गरीबों, वंचितों के जीवन में बदलाव भी आ रहा है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा जी वृहस्पतिवार को लखनऊ के रामलीला मैदान मड़ियांव, जानकीपुरम प्रथम में विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी अखण्ड भारत की परिकल्पना को साकार कर रहे और उनके नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर बन रहा है। पूर्वांचल के राज्यों में विदेशी घुसपैठ से समस्या थी जिसका समाधान हुआ। कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी देश में दवाईयों, वैक्सीन किट, मास्क आदि को बनाकर आत्मनिर्भर बना। यहॉ तक कि अपने देश की बनी कोरोना की दवा को अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी ली थी। कभी सैनिकों के साजो सामान, यूनिफार्म, जूते, चश्मा, टार्च आदि विदेशों से आता था आज देश में ही बनाया जा रहा है।ए0के0 शर्मा ने कहा कि लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी न होने से पात्र लोग इसका लाभ नहीं ले पाते। ऐसे लोगों को जानकारी देने और उन्हें लाभान्वित करने के लिए ही मोदी जी के संकल्प से ही विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गयी है। जिसमें घर–घर जाकर योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और पात्रों को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना, आवास आदि से लाभान्वित भी किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का संकल्प लिया और 05 वर्ष मुफ्त अनाज देने की गारण्टी ली है। इसके पहले फूड कारपोरेशन आफ इंडिया के गोदामों में लाखों मीट्रिक टन अनाज सड़ जाता था लेकिन गरीब तक नहीं पहुंचता था।

स्कूटी सवार महिला को रोडवेज बस ने रौंदा, बेटे की मौत, मां और बेटी घायल

पीजीआई थानाक्षेत्र के सभाखेड़ा के पास हुआ हादसा

पुलिस ने बस चालक का पता लगाने के लिए दो टीमे की गठित

लखनऊ । राजधानी के थाना पीजीआई क्षेत्र में स्कूटी से बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही महिला को रोडवेज बस ने रौंद दिया। जिसमें महिला के बेटे की मौत हो गई। जबिक मां और बेटी घायल हो गयी। जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद अज्ञात रोडवेज बस की तलाश शुरू कर दी है। बस का पता लगाने के लिए दो टीमे गठित की गई है। उधर छात्र की मौत पर परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

डीसीपी पूर्व आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि पीजीआई साहू कॉलोनी निवासी सपना के पति हरीकरन सेना में हैं और इस समय जयपुर में नियुक्त हैं। सपना अपने दोनों बच्चों अभिमन्यु (11) व बेटी राखी (12) के साथ रहती है। सपना के दोनों बच्चे एलपीएस साउथ सिटी ब्रांच में छठवीं व सातवीं क्लास में पढ़ते हैं। प्रतिदिन की भांति वह स्कूटी से अपने दोनों बच्चों को छोड़ने के लिए स्कूल जा रही थी।रायबरेली रोड पर सभाखेड़ा के पास रायबरेली की तरफ से आ रही रोडवेज की एक बस ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिर गए। इसी दौरान बस अभिमन्यु को रौंदते हुए निकल गई। हादसे में घायल मां–बेटी को ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। जबिक बेटे अभिमन्यु की मौत हो गई है। रोडवेज बस का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है। साथ ही दो टीमे भी गठित की गई है।

राजकीय आईटीआई लखनऊ में 16 दिसम्बर को कैंपस ड्राइव का आयोजन

लखनऊ प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि 16 दिसम्बर 2023 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में हिन्दूस्तान यूनीलीवर लिमिटेड, सूमेरपुर, हमीरपुर, उत्तर प्रदेश के कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट आफिसर एम0 ए0 खाँ ने बताया कि कम्पनी में परमानेन्ट जॉब के अवसर है। जिसमें शैक्षिक योग्यता आईटीआई के फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रानिक मैकेनिक, इन्ट्रूमेन्ट मैकेनिक एवं डिप्लोमा इलेक्ट्रीकल, मैकेनिक के उत्तीर्ण किया हो वे ही प्रतिभाग कर सकते है तथा 1 वर्ष का अनुभव प्राप्त किया हो या अप्रेन्टिसशिप या सी0आई0टी0एस0 किया हो वे पात्र होंगे तथा जिसकी आयुसीमा 20 से 30 वर्ष हो। वेतन 10 हजार से 12 हजार रुपये प्रतिमाह एवं अन्य सुविधाएं कम्पनी द्वारा दी जायेगी।

धर्म नगरी में गहरा हो रहा मदिरा का दरिया, नवम्बर में बिक गई 100 करोड़ की शराब

6 घंटे के लिए 11 हजार में शराब परोसने का लाइसेंस, अ नलाइन करना होता है आवेदन

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) धर्म नगरी में धार्मिक पर्यटन को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। यहां आने

वाले पर्यटकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हालांकि आंकड़े बता रहे हैं कि धर्म नगरी में आस्था के साथ मौज मस्ती को भी लोग आ रहे हैं। नवम्बर महीने में ही करीब 100 करोड़ की शराब बिक गई। शराब परोसने के लिए ऑकेजनल यानी अनियमित लाइसेंस लेने का चलन भी बढ़ रहा है। इसके लिए छह घंटे के 11 हजार रुपये चुकाने होते हैं।

नवम्बर माह के लिए आबकारी विभाग को राजस्व प्राप्ति के लिए 79.31 करोड़ का लक्ष्य मिला था। जबकि विभाग इसके सापेक्ष नवम्बर महीने में 60.76 करोड़ का राजस्व प्राप्ति कर सका। इसके लिए आबकारी के ठेकों से लगभग 100 करोड़ की शराब की बिक्री हुई। प्रदेश में राजस्व प्राप्ति में नवम्बर महीने में मथुरा जनपद को 26 वां और मंडल में प्रथम स्थान हासिल हुआ है। यह लक्ष्य तब प्राप्त हुआ है जब मथुरा जनपद का 20 प्रतिशत क्षेत्र ड्राई एरिया घोषित है। पिछले साल नम्बर 2022 में 52 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई थी इस प्रकार वर्ष 2023 में इसी नवम्बर महीने की अवधि के लिए यह आठ करोड़ ज्यादा है। इस साल एक अप्रैल से अब तक ऑकेजनल लाइसेंस अब 268 बने हैं जो कि एक रिकॉर्ड है। इतने लाइसेंस पहले कभी नहीं बने। शादी पार्टी आदि आयोजनों में शराब परेशानी हो तो इस तरह के लाइसेंस लेने की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। नवम्बर महीने में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी रोकने के क्रम में हुई कार्यवाही के तहत 53 मुकदमे दर्ज हुए हैं तथा 991 लीटर शराब पकडी है। चार लोगों को जेल भेजा गया है, इस महीने तस्करी में वाहन कोई नहीं पकडा गया है। बाहरी राज्यों से होने वाली तस्करी पर लगभग रोक लग गई है, आबकारी विभाग की मेहनत के चलते यह सफलता मिली है। इसकी वजह यह है कि राजस्थान में शराब की कीमत यूपी के लगभग ही हैं, जबकि हरियाणा से होने वाली तस्करी पर सख्ती से लगाम लगाई गई है।

वही जानकारी देते हुए जिला आबकारी अधिकारी कुमार प्रभात चंद्र ने बताया कि नववर्ष का उत्सव मनाने के लिए लोग बड़े पैमाने पर मदिरा का उपयोग करते हैं। किसी भी क्लब होटल बारात घर रिसोर्ट में शराब परोसने के लिए ऑकेजनल बार लाइसेंस की व्यवस्था की गई है। यह लाइसेंस एक्साइज पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद हासिल किया जा सकता है। इसके लिए निर्धारित शुल्क 11 हजार रुपये प्रतिदिन है। यह संध्या छह बजे से रात के 12 बजे तक ही मान्य है।

छापे में पकडी गई अवैध शराब व लहन, चार लोगों पर मुकदमा पंजीकृत

संवाददाता।

सुल्तानपुर । आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश, जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना व पुलिस अध ीक्षक सोमेन बर्मा के आदेश के क्रम में एवं जिला आबकारी अधिकारी हितेंद्र शेखर के कुशल नेतृत्व में 14 दिसम्बर को सुभाषचंद्र सिंह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र प्रथम मय स्टाफ साकेत कुमार राय प्रधान आबकारी सिपाही, अरविंद कुमार वर्मा आबकारी सिपाही, मोहम्मद इरफान आबकारी सिपाही एवं प्रशांत कुमार सिंह आबकारी निरीक्षक प्रवर्तन अयोध्या प्रभार मय स्टाफ ग्राम चुनहा थाना कोतवाली नगर में दबिश दी गई। दबिश के दौरान लगभग 38 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। मौके पर लगभग 400 किलोग्राम लहन नष्ट कर 04 अभियोग पंजीकृत करते हुए आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में नियमानुसार कार्यवाही की गई। दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। बारकोड

एवं क्यूआर कोड स्कैन किया गया। जांच में किसी दुकान पर अवैध शराब की बरामदगी नहीं हुई। दबिश के दौरान मौके पर उपस्थित लोगों को अवैध शराब के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में भी जागरूक किया गया। आबकारी अधिकारी हितेंद्र शेखर ने बताया कि किसी भी किमत में जनपद में अवैध शराब का कारोबार नही होने दिया जाएगा। शासन के द्वारा निर्धारित नियम और आदेश–निर्देश के अनुरूप ही शराब नीति को बढाध्या जाएगा,उलंघन करने वालों के विरूध ा अधिनियम के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी। दूसरी तरफ आबकारी निरीक्षक सुभाषचंद्र सिंह ने बताया कि अवैध शराब और उसका कारोबार करने वालों पर अभियान चलाकर कार्यवाही हो रही है।

प्रेमी ने प्रेमिका की हत्या कर मनाया अपना जन्मदिन

-लिव इन पार्टनर हत्या करने के बाद प्रेमिका को खुद लेकर पहुंचा था प्रेमी अस्पताल

(मथुराध्गोवर्धन)(ए.के.शर्मा) थाना गोवर्धन पुलिस ने प्रेमिका का गला दबाकर हत्या करने के आरोपित लिव इन पार्टनर को गिरफ्तार किया है। वांछित अभियुक्त शम्मी कुमार पुत्र जयनरायन निवासी टवरा थाना इस्माइलाबाद जिला कुरुक्षेत्र हरियाणा हाल निवासी उमेश चन्द्र कौशिक पुत्र नन्दकिशोर कोशिक निवासी कृ ष्णा विहार कालोनी सेवा कुंज वाली गली कस्वा थाना गोवर्धन को उमेश चन्द के मकान से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक थाना गोवर्धन विनोद बाबू मिश्रा ने बताया कि 10 दिसम्बर को सीएचसी गोवर्धन से एक

महिला के शव का मीमो थाना गोवर्धन पर प्राप्त होने पर मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी मथुरा भेजा गया। जांच में पाया गया कि मृतिका उमेश चन्द्र कौशिक पुत्र नन्दकिशोर कोशिक निवासी कृष्णा विहार कालोनी सेवा कुंज वाली गली कस्वा थाना गोवर्धन मथुरा के मकान में शम्मी कुमार पुत्र जयनरायन निवासी टवरा थाना इस्माइलाबाद जिला कुरुक्षेत्र हरियाणा के साथ रिलेशनशिप में रह रही थी। 10 दिसम्बर को शम्मी का जन्मदिन था। शम्मी एवं मृतका हरजीत कौर दोनों जन्मदिन की खुशी में खाने पीने के साथ ही आपसी रिस्तों की एक दूसरे को ताना मारकर वार्ता करने लगे, तभी दोनों में आपस में कहा सुनी हो गई। जिस पर शम्मी कुमार ने क्रोध में आकर मृतका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। अभियुक्त शम्मी मृतका की हत्या करने के उपरान्त अपने बचाव में मृतिका के शव को ई रिक्शा से लेकर सीएचसी गोवर्धन गया था वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतिका की मृत्यु की सूचना मृतिका के भाई व पति को दी गयी। मृतका के पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के मध्य उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शम्मी कुमार को गिरफ्तार किया गया।

दो बार बिकी जमीन को तीसरी बार बेचकर हड़प लिए 3,34000 रुपये

झांसी! मऊरानीपुर थाना पुलिस से न्याय नहीं मिलने पर पीड़ित परिवार सहित बैठा आमरण अनशन पर जानकारी के अनुसार पीड़ित प्रमोद पुत्र दशरथ अहिरवार निवासी ग्राम बचेरा ने उप

जिलाधिकारी मऊरानीपुर को दिए प्रार्थना पत्र में बताया आरोपियों ने दो बार बिकी हुई जमीन को रजिस्ट्री लेखक एवं विक्रेता ने साठ गाठ कर हमसे 3,34000 रुपए हड़पकर मेरे नाम रजिस्ट्री करदी उक्त कृत की रिपोर्ट थाना मऊरानीपुर में 17ध 08ध23 को आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 467 ,468 ,471 ,120 वी के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी लेकिन मऊरानीपुर थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 4 महीने बीत जाने के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई

स्वर्गीय क्रांति प्रताप सिंह समाज के सच्चे सेवक थे।

जय प्रकाश मिश्रा जौनपुर

आज दिनांक चौदह दिसंबर को हैदरपुर ग्राम सभा के निवासी एवं जय हिन्द इंटर कॉलेज के पूर्व प्रवक्ता समाजसेवी स्वर्गीय क्रांति

प्रताप सिंह जी की 11वी पुण्यतिथि आज उनके द्वारा 32 वर्ष पूर्व स्थापित शहीद जमीदार सिंह प्राथमिक विद्यालय हैदरपुर बाजार में मनाई गई ।। उक्त मौके पर लोगो ने उनके चित्र पर पुष्प चढकर उनको श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हैदरपुर रामलीला समिति के अध्यक्ष श्री शरद कुमार सिंह श बूल्ले श जी ने समाज मे किये गए उनके कार्यो को याद कर कहा कि समाज ने उनके जैसा एक अनोखा हीरा खो दिया है जिसने जीवन भर अपना पूरा समय समाज के लिए ही समर्पित कर दिया ।क्रांति प्रताप सिंह के पौत्र एवं दंत चिकित्सक डॉ प्रभात विक्रम सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने दादा जी को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने को ही अपना उद्देश्य बताया इस मौके पर उपस्थित छात्रों को उन्होंने दांतों के रखरखाव के सम्बंध में भी बताया डॉ प्रभात विक्रम सिंह नें प्रधान देवेश सिंह कुंदन जी द्वारा मुख्य सडक से विद्यालय तक इंटरलोकिंग सडक बनावए जाने के लिए पुरे विद्यालय परिवार के तरफ से उनके प्रति आभार प्रकट किया श्रद्धांजलि सभा में श्री कक्कू सिंह जी,, संतोष सिंह डॉक्टर ,,पंकज सिंह ,जी ,,डॉ कर्मराज यादव,,कुंदन सिंह, वीरेंद्र माली,,एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक गण और सैकड़ो बच्चे उपस्थित रहें।

शोक सभा का आयोजन किया गया

झांसी ! वीरांगना महिला विकास संस्था के कार्यलय के संस्था सदस्य श्री मती सरोज के पति अमर सिंह यादव का स्वगवास हो जाने पर शोक सभा का आयोजन किया गाया इस कार्यक्रम मे संस्था सचिव विद्या शर्मा, शशि कुश०, आशा, कुश०, अचनी, प्रीती, सुमन, अनिता, राधा, आशा यादव एवं अन्य महिला सदस्यो ने अश्रुपूरित श्रृंदजिली एवं उनके परिवार को दुःख सहन करने के लिये संतावना दी

लाभार्थियों को शीघ्र लाभ दिलाने की मांग

संवाददाता।

सुलतानपुर । कांग्रेस पिछड़ा वर्ग ने वार्ड नं0–25 खैराबाद में आँगनबाडी कार्यकत्री के पास लाभार्थियों को सरकार द्वारा दिये जाने वाले राशन का वितरण 9 माह से लाभार्थियों को 6 माह से 3 वर्ष के लागार्थी 62 बच्चों में से सिर्फ 12 लाभार्थी बच्चों को और 22 गर्भवती धात्री महिलाओं में सिर्फ 1 गर्भवती महिला को ही इसके अलावा 3 कुपोषित बच्चों में किसी का भी राशन नहीं आ रहा है जो कि गम्भीर विषय है के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर शीघ्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने की मांग की है और समय से लाभार्थियों को लाभ ना दिलाये जाने वाले दोषी व्यक्तियों को

दण्डित किया जाये। श्री रामचरितमानस और श्रीमद्भगवद्गीता पर सत्संग 20 दिसंबर से आरंभ सुलतानपुर। चिन्मय मिशन आश्रम गाजियाबाद की आचार्या परम पूज्य ब्रह्मचारिणी प्रणति चौतन्य के श्री मुख से श्री रामचरितमानस और श्रीमद्भगवत् गीता पर भावपूर्ण सत्संग ज्ञानयोग का आयोजन किया गया है। इस ज्ञान यज्ञ का उद्घाटन समारोह दिनांक 20 दिसंबर को शाम 6 बजे से पंडित राम नरेश त्रिपाठी सभागार में आयोजित किया गया है। इसके दूसरे दिन से सायं 6:15 बजे से रात्रि 7:45 बजे तक पंचम वेद श्री रामचरित मानस बालकाण्ड पर सारगर्भित और तर्क संगत सत्संग की क्लास दिनांक 26 दिसंबर तक चलेगी। इसी के साथ दिनांक 21 दिसंबर से दिनांक 26 दिसंबर तक प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे से 9:00 बजे तक श्रीमद् भगवत गीता के द्वितीय अध याय "सांख्य योग" पर प्रवचन होगा।

रेपरू द क्राइम बियॉन्ड कंटूर्स नामक पुस्तक का लोकार्पण

(मथुरा) जीएलए यूनिवर्सिटी के सीईओ नीरज अग्रवाल ने मैरिटल

रेपरू द क्राइम बियॉन्ड कंटूर्स नामक पुस्तक का लोकार्पण किया। पुस्तकों के संपादक प्रोफेसर (डॉ.) सोमेश धमीजा, डीन आईएलएसआर, जीएलए विश्वविद्यालय और डॉ. तरूण प्रताप यादव, प्रोफेसर, आईएलएसआर, जीएलए विश्वविद्यालय हैं। पुस्तक के छात्र संपादक रौनक उपमन्यु एवं शिवम राणा हैं। यह पुस्तक स्टॉकहोम, स्वीडन से प्रकाशित हुई है और इसमें आईएलएसआर, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के 21 छात्रों के साथ–साथ भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर हैं जिन्होंने पुस्तक में अपने अध्यायों का योगदान दिया है।

प्रोफेसर (डॉ.) सोमेश धमीजा ने कहा कि वैवाहिक बलात्कार वैवाहिक बंधन की पवित्र प्रकृति को पूरी तरह से खंडित कर देता है। यह एक महिला को शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक रूप से अपमानित करता है। यह शारीरिक अखंडता के खिलाफ अपराध है क्योंकि इसमें शारीरिक शोषण, यौन हिंसा आदि शामिल है। बलात्कार को बलात्कार माना जाना चाहिए और शादी को महिला साथी के साथ बलात्कार करने के लाइसेंस के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। यह महिला की गरिमा और बुनियादी मानवाधिकारों के लिए भी खतरा है।डॉ. तरूण प्रताप यादव आगे इस बात पर जोर देते हैं कि ष्मैरिटल रेपरू द क्राइम बियॉन्ड कंटूर्सष पुस्तक वैवाहिक बलात्कार का गहन विश्लेषण प्रदान करती है, जिसमें इसके इतिहास, कानूनी पहलुओं और इसके कमीशन और उत्पीड़न के कई अलग–अलग पहलुओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा, यह विशेष रूप से वैवाहिक बलात्कार के सिद्धांतों और प्रकारों, मुद्दे की गंभीरता, जोखिम कारकों, प्रतिरोध रणनीति, वैवाहिक बलात्कार के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक प्रभावों और पीड़िता के मदद मांगने वाले व्यवहार और समाधान पर केंद्रित है।श्री नीरज अग्रवाल ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि ये पुस्तकें दर्शकों के साथ–साथ साझी सामग्री और इसमें निहित संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करेंगी। मुझे यह भी लगता है कि ये संपादित पुस्तकें प्रोफेसरों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए विषयों के महत्व और दुनिया द्वारा वरदान या अभिशाप के रूप में इसकी व्याख्या को समझने के लिए एक संसाधन के रूप में काम करेंगी।

मुख्य नहर का संचालन बंद होने से किसानों को हो रही परेशानी

झाँसी! पारीक्षा बांध से निकली गुरसरांय मुख्य नहर का संचालन 1 दिसंबर से बंद कर दिया गया है।इसके चलते सिंचाई न कर पाने के कारण किसानों की फसलें सूखने लगी हैं।नहर के किनारे की अधिकांश जमीन सिंचाई के लिए नहर के पानी पर ही आश्रित है।पानी नहर में नहीं आने से फसलें सूखने लगी हैं।किसानों ने डीएम से नहर में पानी छुड़वानें की मांग की है।रबी की फसलों के लिए पानी की जरूरत पड़ने लगी है।बुवाई के बाद गेहूं,आलू,सरसों,लहसुन सहित अन्य फसलों की सिंचाई की शुरुआत हो गई है।लेकिन नहर में पानी नहीं आने से किसान परेशान हैं।इससे सिंचाई प्रभावित हो रही है।इस समय गेहूं की फसल को सिंचाई की जरूरत है,लेकिन पानी के अभाव में सिंचाई नहीं हो पा रही है।पीड़ित किसानों ने डीएम से नहर में पानी छुड़वानें की मांग की है।इससे खेतों में सूख रही फसलों को बचाया जा सके।इस नहर के अंतर्गत आनेगांवबरगांय,इंदी,सेमरी,खिरियाबाँट,चोसा,बरमपुरा,खिदरपुरा,खलार,बछेह,अड़जरा सहित अन्य गाँवों के किसानों को अपने खेतों में गेहूं की फसल बोये हुए लगभग 40 दिन बीत चुके हैं। लेकिन नहर का संचालन बंद होने के चलते किसान फसल में गुरवाना नहीं कर पा रहे हैं।इसके कारण किसानों को फसलों में कम पैदावार होने की चिंता सताने [redacted]

श्रीराम एयरपोर्ट बननें से अयोध्या वासियों में उत्साह

-पीएम मोदी अयोध्या एयरपोर्ट सहित लगभग 18 हजार करोड़ की योजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

अयोध्या से हवाई सेवा शुरू होने का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मर्यादा पुरूषोत्ध्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन कर तैयार हो चुका है। इस एयरपोर्ट पर 30 दिसंबर को पहली उड़ान दिल्ली से उतरेगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका लोकार्पण करेंगे। उनके कार्यक्रम की अधिकृत सूचना जल्दी जारी होगी। पीएम मोदी अयोध्या एयरपोर्ट सहित करीब 18 हजार करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी उसी समय कर करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी में जिला प्रशासन, रेल विभाग और एएआई जुटा है। अयोध्या के लिए पहली उड़ान शुरू करने का सौभाग्य इंडिगो एयरलाइन्स को मिला है। इंडिगो 30 दिसंबर 2023 को राष्ट्रीय राजधानी से अयोध्या हवाई अड्डे के लिए उद्घाटन उड़ान का परिचालन करेगी। कंपनी की वाणिज्यिक सेवाएं 6 जनवरी से शुरू होंगी। इंडिगो ने एक बयान में यह जानकारी दी। नगर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधि या ने कहा कि अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इस महीने के अंत तक तैयार हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। इंडिगो अयोध्या हवाई अड्डे से विमान का परिचालन करने वाली पहली एयरलाइन कंपनी होगी। इसके साथ, अयोध्या एयरलाइन का 86वां घरेलू गंतव्य होगा। इंडिगो ने एक बयान में बताया कि दिल्ली से उद्घाटन उड़ान 30 दिसंबर, 2023 को अयोध्या पहुंचेगी। इसके बाद, 6 जनवरी, 2024 से दिल्ली और अयोध्या के बीच सीधी उड़ान के लिए वाणिज्यिक परिचालन शुरू होगा। उसके बाद बाद 11 जनवरी, 2024 से अहमदाबाद और अयोध या के बीच सप्ताह में तीन दिन उड़ानों का परिचालन होगा।' इंडिगो के वैश्विक बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली और अहमदाबाद–अयोध्या को जोड़ने वाली नई उड़ानें अयोध या को देश के विमानन मानचित्र पर ले आएंगी। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि दो साल के अंदर अयोध्या एयरपोर्ट बनकर तैयार हुआ है। 30 दिसंबर को उद्घाटन के लिए दिल्ली से फ्लाइट आएगी। इसके बाद छह जनवरी से कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू हो जाएंगी। दूर–दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी.

डीएम ने निर्माणाधीन विभिन्न पथों का किया स्थलीय निरीक्षण

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने अयोध्या धाम में आने वाले श्रद्धालुओंध्पर्यटकों को आवागमन की सुचार एवं बेहतर सुविधा सुगमता से उपलब्ध कराने के दृष्टिगत निर्माणाधीन विभिन्न पथों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की प्रगति व मार्गो की विशिष्टियों का जायजा लिया। श्रीराम जन्मभूमि पथ के निरीक्षण के दौरान जिलाधि ाकारी ने श्रीराम जन्मभूमि पथ पर सुग्रीव किला के पास निर्माणाध ीन प्रवेश द्वार व श्रद्धालुओं हेतु बनाये जा रहे कैन ओपी के कार्य का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि प्रवेश द्वार व कैनोपी का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा कई शिफ्टों में कार्य चल रहा है, जिलाधिकारी ने शेष कार्य को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जन्मभूमि पथ पर दोनों तरफ चाहर दीवारी पर जी0आर0सी0 (ग्लास–फाइबर प्रबलित कंक्रीट) के द्वारा उकेरी जा रही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की कलाकृतियों उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में पिता पुत्र की मौत ,मौके पर पहुंची पुलिस

शब को भेजा पोस्टमार्टम के लिए

झांसी! अंतर्गत आने वाले थाना गुरसराय के कोटरा मार्ग पर गढ़वई पेट्रोल पंप के पास का है

जहां पर ग्राम बामोर थाना एरच निवासी वीरेंद्र चौहान पुत्र लक्ष्मण सिंह , रामजी चौहान पुत्र वीरेंद्र गुरसराय खुशबू पैलेस में शादी समारोह में गए हुए थे तभी मोटरसाइकिल सवार पिता पुत्र गुरसराय से अपने गांव बामोर जा रहे थे जैसे ही वह कोटरा मार्ग गढ़वई पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तभी किसी अज्ञात वाहन से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें मोटरसाइकिल सवार पिता व पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई वहीं मृतक के परजनों के मुताबिक राम जी अपने पिता वीरेंद्र की इकलौती संतान था जिसकी शादी एक वर्ष पहले ही हुई थी वहीं राहगीरों द्वारा इसकी सूचना गुरसराय थाना पुलिस को दी मौके पर पहुंची गुरसरांय थाना पुलिस द्वारा सब का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया व अज्ञात वाहन की जांच में जुट गई।

संपादकीय

भारत की बढ़ती चुनौतियां

निज्जर– पन्नूं मामलों में भारत के खिलाफ माहौल कनाडा और अमेरिका की सरकारों ने बनाया है। चुनौती उन सरकारों के सामने उनकी धारणाओं को गलत साबित करने की है। वरना, इससे संबंधित खबरें हर कुछ अंतराल पर मीडिया में आती रहेंगी और मुद्दा गरमाया रहेगा। खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं के मामले में एक अमेरिकी वेबसाइट की ताजा खबर का फुर्ती से खंडन कर भारत ने उचित कदम उठाया है। लेकिन असल चुनौती अमेरिकी अधिकारियों को यह भरोसा दिलाने की है कि अमेरिका और कनाडा स्थित खालिस्तानी उग्रवादियों की हत्या की योजना में भारत सरकार का कोई हाथ नहीं है। ये खबर अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन के निदेशक की भारत यात्रा से ठीक पहले छापी गई। इसमें दावा किया गया कि भारत सरकार की ओर से अपने दूतावासों को इन उग्रवादियों के खिलाफ श्जटिल कार्रवाई योजनाय में सहयोग करने का निर्देश भेजा गया था। अमेरिकी वेबसाइट ने दावा किया कि उस निर्देश की कॉपी उसके पास है, जिस पर भारत के विदेश सचिव के दस्तखत हैं। इस खबर के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल में भेजे गए दस्तावेज में कई उग्रवादियों का जिक्र है, जिनमें कनाडा में मारा गया हरदीप सिंह निज्जर भी शामिल है। हालांकि वेबसाइट ने कहा है कि उस दस्तावेज में सीधे तौर पर उन उग्रवादियों की हत्या का उल्लेख नहीं है, मगर उसमें अमेरिका और कनाडा स्थित दूतवासों से भारतीय खुफिया एजेंसियों से सहयोग करने को कहा गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ऐसा कोई निर्देश भेजे जाने की बात का सिरे से खंडन किया है। साथ ही कहा है कि संबंधित वेबसाइट की पहचान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की फर्जी कहानियों को फैलाने वाले माध्यम के रूप में रही है। बेशक, इस खंडन से भारत के लिए संभावित नुकसान को सीमित किया जा सकेगा। बहरहाल, यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि ऐसी खबरें अक्सर जानबूझ कर लीक की गई सही या गलत सूचनाओं के आधार पर प्रकाशित होती हैं। भारत के सामने चुनौती ऐसी लीक के स्रोत तक पहुंचने की है। ये बात भी ध्यान में रखने की है कि इस मामले में भारत के खिलाफ माहौल कनाडा और अमेरिका की सरकारों ने बनाया है। चुनौती उन सरकारों के सामने उनकी धारणाओं को गलत साबित करने की है। वरना, ऐसी खबरें हर कुछ अंतराल पर मीडिया में आती रहेंगी और यह मुद्दा गरमाया रहेगा। स्पष्टतरू ऐसा होना भारत के हित में नहीं है।

अनसुलझे सवाल

सुप्रीम कोर्ट को निर्णय पांच अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का संसद ने जो कदम उठाया उसकी संवैधानिकता पर देना था। इस मुद्दे पर चुप रह कर सुप्रीम कोर्ट ने भारत के हर राज्य के भविष्य को अधर में लटका दिया है। अनुच्छेद 370 के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपेक्षित निर्णय दिया। मगर यह फैसला देते हुए उसने कम–से–कम एक बड़े सवाल को अनसुलझा छोड़ दिया। साथ ही उसने एक नया प्रश्न खड़ा भी कर दिया है। अनसुलझा सवाल यह है कि क्या भारतीय संविधान के तहत किसी राज्य का दर्जा गिराकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया जा सकता है? नया प्रश्न यह खड़ा हुआ है कि अगर अनुच्छेद 370 को मकसद क्रमिक रूप से जम्मू–कश्मीर का बाकी भारत के साथ एकीकरण था, तो अनुच्छेद 371 एवं उसकी उपधाराओं का मकसद क्या है? अनुच्छेद 371 के तहत भारत के कई राज्यों को स्वायत्तता संबंधी सुरक्षाएं प्रदान की गई हैं, जैसी 370 से जम्मू–कश्मीर को कई गई थीं। दूसरा प्रश्न सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन नहीं था, इसलिए इस बारे में उससे स्पष्टीकरण की अपेक्षा नहीं थी। लेकिन पहला प्रश्न उसके विचाराधीन था। इस पर उसने निर्णय देने से यह कहते हए इनकार कर दिया कि केंद्र ने उसे जम्मू–कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने का आश्वासन दिया है। इसे विचित्र रुख ही कहा जाएगा। इसलिए कि सुप्रीम कोर्ट को निर्णय पांच अगस्त 2019 को संसद ने जो कदम उठाया उसकी संवैधानिकता पर देना था। इस मुद्दे पर चुप रह कर सुप्रीम कोर्ट ने भारत के हर राज्य के भविष्य को अधर में लटका दिया है। इसका अर्थ यह है कि भविष्य में कभी कोई सरकार राष्ट्रपति शासन लागू कर उसी प्रक्रिया से किसी राज्य को विभाजित कर सकती है या उसका दर्जा गिरा सकती है, जैसाकि जम्मू–कश्मीर के मामले में किया गया। मतलब यह कि अब संघीय व्यवस्था केंद्र की मर्जी पर निर्भर हो गई है। जबकि बोम्मई फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने संघीय व्यवस्था को भारतीय संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा माना था। केशवानंद भारती से लेकर नौवीं अनुसूची की वैधता से संबंधी मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के बुनियादी ढांचे की रक्षा को अपनी जिम्मेदारी बताया था। तो यह प्रश्न भी उठा है कि जम्मू–कश्मीर का दर्जा गिराने के बारे में दो टूक निर्णय ना देना क्या सुप्रीम कोर्ट का अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोडना नहीं माना जाएगा?

जेलेंस्की साल पहले तब और अब

सन् 2022 में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की दुनिया के चमकते सितारे थे, वैश्विक नायक थे। पूरी दुनिया उनकी मदद करने हाथ बांधे खड़ी थी। आखिरकार वे बुराई के खिलाफ अच्छाई की लड़ाई लड़ रहे थे! उन्हें प्रोत्साहित करना सबका पावन कर्तव्य था। उनका बेहद सम्मान था और सभी तरफ उनकी सराहना होती थी। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में उनका जबरदस्त स्वागत होता था। इसका चरम था अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में जोरदार हर्षध्वनि के बीच उनका अभिनन्दन।लेकिन 2023 में दुनिया का ध्यान इजराइल–हमास युद्ध की ओर केन्द्रित हो गया। इससे यूक्रेन और जेलेंस्की का भविष्य अनिश्चितता के भंवर में फंसा है। पैसा खत्म हो रहा है, रूस को पराजित करने की इच्छाशक्ति कम हो गई है और पुतिन को हटाने का संकल्प कमजोर पड़ा है। इसी के चलते जेलेंस्की वाशिंगटन की एक और यात्रा कर रहे हैं। निराशापूर्ण माहौल में भी उन्हें उम्मीद की एक हल्की किरण नजर आ रही है कि दुनिया उनकी ओर ध्यान देगी, फिर से उनकी बात सुनेगी और वे रूस द्वारा उनकी धरती पर ढाये जा रहे जुल्मों की याद दुनिया को दिला सकेंगे।हालांकि राष्ट्रपति जो बाइडन पहले ही कह चुके हैं कि यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक मदद के लिए उपलब्ध रकम करीब–करीब खत्म हो चुकी है। यूक्रेन को दिए जाने वाले हथियारों में कमी आ रही है। लेकिन बाइडन द्वारा बार–बार यह चेतावनी देने के बावजूद कि वैश्विक व्यवस्था और अमेरिका की सुरक्षा, यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता पर निर्भर है, वे सितंबर से अब तक कांग्रेस को अधिक धनराशि की स्वीकृति देने के लिए राजी करने में असफल रहे हैं। रिपब्लिकन सीनेटरों ने 106 अरब डालर की सहायता के प्रस्ताव में बाधाएं खड़ी कर दी हैं जिसमें से अधिकांश यूक्रेन को और उसका एक छोटा हिस्सा इजराइल को दिया जाना है। उन्होंने इस खर्च को अमेरिका के अप्रवासन संबंधी उपायों से जोड़ दिया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि वर्ष के अंत तक सारी रकम खत्म हो जाएगी।जेलेंस्की महत्वपूर्ण सांसदों और जनता को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहे हैं। यूक्रेन के जवाबी हमले के असफल होने से यूक्रेन की जनता की हिम्मत टूट रही है ।

ओबीसी, आदिवासी और ब्राह्मण सीएम का दांव खेल कर मोदी ने विपक्ष को कर दिया चित

ओबीसी कार्ड के जिस दांव के सहारे अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में और तेजस्वी यादव बिहार में कुल मिलाकर लोक सभा की 120 सीटों को साधने की रणनीति बना रहे थे, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में एक यादव मुख्यमंत्री बनाकर विफल कर दिया है। मोदी–शाह और नड्डा की तिकड़ी ने वो कमाल कर दिखाया है जो आज से महज एक सप्ताह पहले तक कोई सोच भी नहीं सकता था। यह तो सब मान कर चल रहे थे कि अगर भाजपा इस बार छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सत्ता में आती है तो भी रमन सिंह, शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया का फिर से मुख्यमंत्री बनना मुश्किल है लेकिन यह सब इतनी आसानी से हो जाएगा और यही तीनों नेता अपने–अपने राज्य में नए मुख्यमंत्री का नाम प्रस्तावित करेंगे, ऐसा किसी ने सोचा तक नहीं था। लेकिन छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मुख्यमंत्रियों के चयन ने लोगों और भाजपा नेताओं के साथ–साथ विपक्षी दलों को भी हैरान–परेशान कर दिया है बल्कि अगर यह कहा जाए कि ओबीसी, आदिवासी और ब्राह्मण सीएम का दांव खेल कर मोदी ने विपक्ष को चारों खाने चित कर दिया है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। ओबीसी कार्ड के जिस दांव के सहारे अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में और तेजस्वी यादव बिहार में कुल मिलाकर लोक सभा की 120 सीटों को साधने की रणनीति बना रहे थे, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में एक यादव मुख्यमंत्री बनाकर विफल कर दिया है। ओबीसी यादव मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यादव नाम के सहारे राजनीतिक दल चलाने वाले अखिलेश यादव और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव के सामने एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने सिर्फ छत्तीसगढ़ का चुनावी गणित ही नहीं साधा है बल्कि देश भर के 10 करोड़ से ज्यादा आदिवासी जनसंख्या को एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी दे दिया है। लोक सभा की 543 सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। ये 47 सीटें छत्तीसगढ़ के अलावा असम, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, राजस्थान, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल सहित 17 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों से आती है। इन 47 लोक सभा सीटों के अलावा भी 50 से ज्यादा सीटों पर आदिवासी मतदाता जीत–हार में बड़ी भूमिका निभाते हैं। अगड़ी जातियों की नाराजगी की खबरों के बीच भाजपा

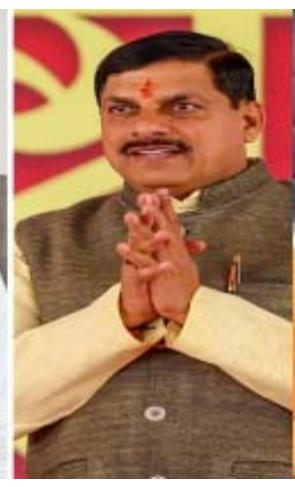

ने राजस्थान में ब्राह्मण चेहरे भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर बड़ा दांव खेल कर हिंदी भाषी राज्यों के अगड़े वर्ग के वोटरों खासकर ब्राह्मण मतदाताओं को लुभाने का बड़ा प्रयास किया है। अगर भाजपा का यह राजनीतिक दांव चल गया तो राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित हिंदी पट्टी के राज्यों में भाजपा को जबरदस्त बढ़त मिलना तय जा रहा है क्योंकि खुश होने पर ब्राह्मण जाति सिर्फ वोट देकर घर नहीं बैठ जाते हैं बल्कि यह अपने सामाजिक प्रभाव का इस्तेमाल कर अन्य जातियों का वोट दिलवाने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। जाहिर है कि नए चेहरों पर दांव खेलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल भविष्य की भाजपा को तैयार कर रहे हैं बल्कि एक बार फिर उन्होंने अपने राजनीतिक कौशल का परिचय देते हुए विपक्षी दलों को चारों खाने चित कर दिया है।

संसद में छोड़े गये 'पीले रंग' में छिपे 'काले उद्देश्य' का पता लगाना बेहद जरूरी है

आरोपियों का हमले की बरसी के दिन 'संसद अटैक–2' का संदेश देना निश्चित रूप से बेचौन करता है। पीले रंग में छिपे काले संदेश को समझा होगा। दुश्मन अंदरूनी है या बाहरी? उन्हें खींचकर बाहर निकालना होगा। प्रतीत ऐसा होता है कि आरोपी सिर्फ मोहरा मात्र हैं। शीतकालीन सत्र के 10वें दिन भारतीय संसद के अंदर शायद कुछ बहुत बड़ा होना मुकर्रर था क्योंकि 22 बरस पहले आतंकवादियों द्वारा दिया एक नासूर जख्म जो प्रत्येक 13 दिसबंर की तारीख के दिन याद करके हरा हो जाता है। खैर, गनीमत ये समझें कि संभावित घटना 'पीले रंग' तक ही सीमित रही, वरना कुछ 'काला' भी हो सकता था। 13 तारीख वैसे भी संसदीय परंपरा के लिए 'काली तारीख' ही है। केंद्र सरकार इस अधूरी घटना को हल्के में कतई न ले। नहीं, तो पीले रंग में छिपी ये संदेशवाहक घटना कभी भी पूर्ण घटना में तब्दील हो सकती है। इतना सतर्क हो जाना चाहिए कि दुश्मन घात लगाए बैठा है इसलिए अभी से इस तस्वीर को गंभीरता से लेने की आवश्कता है। आरोपियों की बुनी साजिश की जड़ तक घुसना होगा? उनका मकसद दहशत फैलाना मात्र था या कुछ और? फिलहाल ऐसे तमाम सवाल खड़े हो चुके हैं। पर, अव्वल तो इस घटना को घोर लापरवाही और सुरक्षातंत्र की नाकामी ही कहेंगे। चाकचौबंद सुरक्षा–व्यवस्था से कहां चूक हुई, इसकी भी समीक्षा किए जाने की जरूरत है। बहरहाल, संसद तो नई–नवेली है, जिसे अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकों से लैस बताया जाता है। लेकिन घटना जिस अंदाज में घटी उससे साफ पता चलता है कि साजिश की तासीर कुछ और थी। आरोपी सामान्य हैं या असामान्य प्रवृत्ति के, ये तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा। पर, लोग अंदेशा ऐसा भी लगा रहे हैं कि कहीं 22 साल पहले 13 दिसंबर को जो घटना संसद में घटी थी ये उसकी पुनरावृत्ति तो नहीं? या फिर उसका पार्ट–2 की चेतावनी है। इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी हो, ये बिना देर किए सुनिश्चित हो। एक थ्योरी ये समझ में नहीं आती कि आखिर शीतकालीन सत्र को चले कई दिन हो चुके हैं। पर, हरकत संसद हमले की बरसी के दिन ही क्यों होती है? अचंभित कर देने वाली बात एक ये भी है कि आरोपियों ने भगत सिंह के स्टाइल को क्यों कॉपी किया? पीला धुंआ फैलाकर, नारे लगाना, तानाशाही से मुक्ति मिले? आखिर ये सब किस ओर इशारा करता है। कौन है घटना के पीछे, उसे सामने लाना ही होगा और आरोपी ने जो तानाशाही से आजादी के नारे लगाए हैं उसके निहितार्थ भी सार्वजनिक होने चाहिए। आरोपियों का हमले की बरसी के दिन 'संसद अटैक–2' का संदेश देना निश्चित रूप से बेचौन करता है। पीले रंग में छिपे काले संदेश को समझा होगा। दुश्मन अंदरूनी है या बाहरी?

ईवीएम पर कांग्रेस तब लड़े निर्णायक लड़ाई!

अजीत द्विवेदी

इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के कई नेता अलग अलग तथ्यों और तर्कों के आधार पर ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से प्रसारित व्हाट्सऐप फॉरवर्ड भी घूम रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि गुजरात के वडोदरा की पादरा नगरपालिका चुनाव में ईवीएम की मदद से जनादेश लूटने की शुरुआत हुई थी। बताया जा रहा है कि निगम चुनाव में एक बूथ पर 44 वोट पड़े थे, लेकिन ईवीएम में 111 यानी उससे ढाई गुना ज्यादा वोट दर्ज हुए। उसी व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में यह भी बताया जा रहा है कि कांग्रेस की शिकायत पर अमुक नंबर की ईवीएम की जांच हुई तो पाया गया कि किसी भी उम्मीदवार के नाम के सामने बटन दबाने पर भाजपा को वोट जाता था। एक अन्य व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में दावा किया जा रहा है कि मध्य प्रदेश में मतगणना के समय कितने ईवीएम की बैटरी 99 फीसदी चार्ज थी। इस आधार पर दावा किया जा रहा है कि 10 घंटे वोटिंग के बाद बैटरी इतना चार्ज नहीं रह सकती थी। इसका मतलब है कि मशीन बदली गई। एक दूसरे व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में ईवीएम का समर्थन करने वालों का मजाक उड़ाते हुए तंज किया जा रहा है कि एपल का फोन हैक हो सकता है, सुरक्षा संस्थानों–बैंकों के कंप्यूटर हैक हो सकते हैं, गाडियां हैक की जा सकती हैं लेकिन ईवीएम हैक नहीं किया जा सकता है। 19 लाख ईवीएम गायब होने की बात बरसों से चल रही है। व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में किए गए दावे सही हो सकते हैं और गलत भी हो सकते हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि इनको कांग्रेस के नेता अपनी हार के जख्म पर मल्हम की तरह लगा रहे हैं।व्हाट्सऐप फॉरवर्ड के अलावा कांग्रेस की ओर से आधिकारिक रूप से ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्स्च पर एक के बाद एक कई पोस्ट डाली गई, जिसमें लिखा गया, श्लोकतंत्र फेल हुआ, ईवीएम में खेल हुआच, श्ईवीएम की बात करो तो बीजेपी तड़प उठती है, आखिर ये कौन सा रिश्ता है?च श्भरोसा टूट रहा है, कोई जनमत लूट रहा हैच, श्ईवीएम जीत गया, आपका मत हार गयाच आदि। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने चुनाव के तुरंत बाद पोस्टल बैलेट में कांग्रेस की बढ़त के आधार पर यह सवाल उठाया कि पोस्टल बैलेट में भाजपा से इतना आगे होने के बावजूद ईवीएम के वोट में कांग्रेस इतने बड़े अंतर से कैसे हारी? एक व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में यह भी दावा किया गया है कि पोस्टल बैलेट में कांग्रेस मध्य प्रदेश की 230 में से 190 सीटों पर आगे थी। हालांकि ऐसा कोई भी दावा राजस्थान, छत्तीसगढ़ या दूसरे राज्य को लेकर नहीं किया जा रहा है। अगर मध्य प्रदेश के नेताओं खास कर दिग्विजय सिंह, कमलनाथ के सोशल मीडिया हैंडल को देखें तो उस पर बड़ी संख्या में ईवीएम से जुड़ी खबरें शेयर की जा रही हैं। उसमें बताया जा रहा है कि क्यों नीदरलैंड ने ईवीएम पर पाबंदी लगा दी या कहां कहां ईवीएम से क्या गड़बड़ी हुई है। कोई भाजपा के राज्यसभा सांसद जीवीएल नरसिम्हा की ईवीएम पर लिखी किताब पढने की सलाह दे रहा है, कोई लालकृष्ण आडवाणी द्वारा ईवीएम पर उठाए गए सवालों का हवाला दे रहा है तो कोई ईवीएम बनाने वाली भारत सरकार की कंपनी बीईएल के इंजीनियरों के हवाले से बता रहा है कि कंपनी सिर्फ ईवीएम नहीं बनाती है, बल्कि पूरी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होती है।सो, अब सवाल है कि ईवीएम के जरिए जनमत लूटने की जो बात मध्य प्रदेश कांग्रेस की ओर से आधिकारिक रूप से कही जा रही है या मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेता जो दावे कर रहे हैं क्या कांग्रेस आलाकमान उससे सहमत है? और सबसे बड़ा सवाल है कि कांग्रेस इस मामले को कहां तक ले जाएगी? इन सवालों के जवाब कांग्रेस को देने हैं लेकिन उससे पहले समझ लेना होगा कि कांग्रेस ईवीएम के मसले को हिट एंड रन के अंदाज में नहीं इस्तेमाल कर सकती है क्योंकि इससे उसको नुकसान हो रहा है। हर चुनावी हार के बाद कांग्रेस के नेता जब ईवीएम में गड़बड़ी का दावा करते हैं या कह कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ईवीएम की मदद से जनमत लूट ले रही है तो इसका बड़ा असर कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर होता है। उनके मन में धीरे धीरे यह धारणा बैठती जा रही है कि वे मोदी और शाह की कमान वाली भाजपा से नहीं लड़ सकते हैं या उनको नहीं हरा सकते हैं। कांग्रेस के कई नेता यह कहते मिल रहे हैं कि भाजपा वहीं हार रही है जहां वह हारना चाहती है। यानी कर्नाटक, तेलंगाना या कुछ अन्य राज्यों में वह नहीं जीती तो इसलिए कि वह जीतना नहीं चाहती थी ताकि लोगों का चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा बना रहे। इस तरह की धारणा मन में बैठने का नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में नेता पार्टी छोड़ रहे हैं या छोडने की सोच रहे हैं। उनको लग रहा है कि जब लड़ कर भाजपा को नहीं हरा सकते हैं तो लडने की क्या जरुरत है। यह सोच कांग्रेस और समूचे विपक्ष को बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है।

तभी इस तरह हर चुनाव के बाद ईवीएम पर सवाल उठा कर या कभी–कभार ईवीएम में गड़बड़ी हो सकने की संभावना पर प्रेस कांफ्रेंस करके चुनाव आयोग को ज्ञापन देने की औपचारिकता निभाने की बजाय कांग्रेस पूरी तरह से चुप रहे, ईवीएम के जनादेश को स्वीकार करे और दावा करके कि उसके प्रयासों की वजह से ईवीएम से भारत में चुनाव हो रहे हैं या फिर निर्णायक लड़ाई लड़े। वह ऐलान कर दे कि उसे ईवीएम पर भरोसा नहीं है, उसे हैक किया जा रहा है, जनमत चुराया जा रहा है, आदिवासी, दलित, पिछड़ों, महिलाओं को उपलब्ध एकमात्र संवैधानिक हथियार को उनसे छीना जा रहा है इसलिए जब तक बैलेट पेपर से चुनाव नहीं होंगे, तब तक कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ेगी। अगर दूसरी पार्टियां इस अभियान में शामिल होती हैं तो ठीक है अन्यथा कांग्रेस यह काम अकेले करे। अगर वह तुरंत ऐसा नहीं करती है तो बहुत देर हो जाएगी। फिर कोई उसकी बात पर यकीन नहीं करेगा। भाजपा की ओर से यह धारणा बनवाई जा रही है कि कांग्रेस अपने शीर्ष नेताओं यानी गांधी परिवार की साख बचाने के लिए ईवीएम पर ठीकरा फोड़ती है। यह बात अगर आम लोगों के दिल–दिमाग में बैठ गई तो फिर कांग्रेस बाद में चुनाव बहिष्कार करेगी तब भी लोगों पर असर नहीं होगा।

चुनाव बहिष्कार की राय से असहमत लोगों का कहना है कि लोकतंत्र में अगर चुनाव नहीं लड़ेंगे तो आम लोगों की आवाज कैसे उठाएंगे या आम लोगों की लड़ाई कैसे लड़ेंगे? लेकिन यह बहुत बचकानी बात है। क्योंकि आम जनता की लड़ाई लडने के लिए संसद या विधानसभाओं में बैठना जरूरी नहीं होता है। आम जनता और संविधान की रक्षा की लड़ाई सड़क पर लड़ी जा सकती है। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि सड़कें सूनी हो जाएंगी तो संसद आवारा हो जाएगी। आज सड़कें सूनी हो गई हैं। कहीं कोई राजनीतिक आंदोलन होता नहीं दिख रहा है, जबकि सबने देखा कि कैसे सड़क पर बैठ कर किसानों ने सर्वशक्तिशाली सरकार को झुका दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन विवादित कृषि कानून संसद के अंदर के किसी दल के दबाव में वापस नहीं लिए, बल्कि सड़क पर बैठे किसानों के दबाव में वापस लिए। इसलिए अपने 44 या 52 सांसदों के दम पर कांग्रेस संसद के अंदर जो काम नहीं कर पा रही है क्या पता वह अपने 11 करोड़ मतदाताओं की ताकत के दम से सड़क पर उतर के कर दे!डॉक्टर लोहिया ने कांग्रेस विरोध की सारी लड़ाई सड़क पर रह कर लड़ी थी। वे तो सिर्फ दो बार सांसद बने थे वह भी कुल मिला कर चार साल के लिए। पहले 1963 के एक उपचुनाव में चार साल के लिए वे जीते थे।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन–देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आप कोई मकान या जमीन खरीदने का प्लान बना सकते हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। अविवाहित लोगों के लिए आज अच्छा रिश्ता मिलने की उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहें। सरकारी योजनाओं से आज आपको लाभ मिलेगा। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

शुभ रंग– नीला

शुभ अंक– 4

वृष राशि– आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे। परिवारजनों के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। आज आपको कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है।

शुभ रंग– पीला

शुभ अंक– 1

मिथुन राशि–आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे। भूमि संबंधी कार्यों में आपके लिए लाभ के योग हैं। आपकी व्यावसायिक योजनाएं सफल होंगी। व्यापार में आमदनी के सोर्स बढ़ेंगे। आपको परिवार का अच्छा सहयोग मिलेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाएंगे। आज आप किसी प्रकार का पारिवारिक फैसला लेने में जल्दबाजी न करें।

शुभ रंग– सिल्वर

शुभ अंक– 5

कर्क राशि–आज आपका दिन पाजिघटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। उच्च स्तरीय शिक्षा में आपकी संतान के एडमिशन लेने की खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से आज आपको छुटकारा मिलेगा। आज आय के अनेक स्त्रोत मिलेंगे। आज आप परिवार सहित किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। अपने मित्रों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

शुभ रंग– गुलाबी

शुभ अंक– 9

सिंह राशि–आपके लिए आज का दिन बढिया रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुए हैं। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल–मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है। आपका मन सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। जीवनसाथी आज आपको कोई खुशखबरी देंगे। लवमेट के लिए दिन अच्छा रहने वाला है, घूमने का प्लान बनाएंगे।

शुभ रंग– ब्लैक

शुभ अंक– 5

कन्या राशि–आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

आज आप माता–पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाएंगे। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग आपको कार्यों को और बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए उत्साहित करेगा। पहले दिये किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आज आपके फेवर में आएगा। महिलाएं आज किचन में काम करते समय सावधानी बरतें। शुभ रंग– गुलाबीशुभ अंक– 6 तुला राशि–आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

राष्ट्रपति चुनाव, पन्नू फैक्टर, क्वाड शिखर सम्मेलन, आखिर बाइडेन ने भारत दौरे से क्यों किया किनारा ?

भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने निमंत्रण के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 जनवरी को परेड के लिए मुख्य अतिथि बनने के लिए राष्ट्रपति बाइडेन को आमंत्रित किया था। जनवरी में गणतंत्र दिवस समारोह के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के नई दिल्ली आने की उम्मीद नहीं है। भारत ने अगले महीने क्वाड शिखर सम्मेलन आयोजित करने की योजना भी टाल दी है, अधिकारी अब नई तारीखों की तलाश में हैं। सितंबर में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर उनकी बैठक के बाद, भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने निमंत्रण के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 जनवरी को परेड के लिए मुख्य अतिथि बनने के लिए राष्ट्रपति बाइडेन को आमंत्रित किया था। राष्ट्रपति चुनाव 2024 इस सवाल के जवाब में कि क्या शिखर सम्मेलन के स्थगित होने के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति भी गणतंत्र दिवस पर नहीं आएंगे, अधिकारियों ने कहा कि बाइडेन के लिए दो बार भारत का दौरा करना संभव नहीं होगा, खासकर चुनावी वर्ष के दौरान जब वह पुनर्मिलन के लिए उम्मीदवार हों। बाइडेन के लिए विदेश यात्रा पर जाने के लिए अपने राष्ट्रपति अभियान से कुछ दिनों की छुट्टी लेना संभव नहीं हो सकता है। दूसरी ओर, 81 वर्षीय डेमोक्रेट अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में मतदाताओं के संदेह के साथ–साथ यूएस–मेक्सिको सीमा की सुरक्षा और अपराध के बारे में चिंताओं से ग्रस्त रहते हैं। यदि बाइडेन 2024 में जीते तो दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे और अन्य सर्वेक्षणों से पता चला है कि कुछ मतदाता उनकी बढ़ती उम्र को लेकर भी चिंतित हैं। पन्नू फैक्टर शेड्यूल संबंधी कठिनाइयाँ बाइडेन की यात्रा को स्थगित करने के पीछे स्पष्ट कारण प्रतीत होती हैं, यह खबर भारत–अमेरिका समीकरणों में एक अजीब समय पर आई है। अमेरिकी न्याय विभाग ने एक वरिष्ठ भारतीय खुफिया अधिकारी पर न्यूयॉर्क में वांछित खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। अभियोग के बाद से सरकार ने कई अमेरिकी राजनयिकों द्वारा भारतीय समकक्षों के सामने उठाए गए आरोपों की उच्च–स्तरीय जांच का आदेश दिया है। अमेरिकी प्रधान उप एनएसए जोनाथन फाइनर ने पिछले सप्ताह दिल्ली का दौरा किया और एनएसए अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। भारत में हाई–प्रोफाइल कार्यक्रम में भाग न लेने के अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले से द्विपक्षीय, रणनीतिक और तकनीकी वार्ताओं और इस साल की शुरुआत में जून में वाशिंगटन डीसी की मोदी की राजकीय यात्रा के बाद भी भारत–अमेरिका संबंधों में संभावित तनाव के बारे में अटकलें लगाई जा सकती हैं। अय्याशी के नशे में डूबे, रोजाना होटलों में गुजारते थे रातें स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने बिडेन की यात्रा के कार्यक्रम को लेकर कठिनाइयां व्यक्त की हैं। वह अगले महीने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन आयोजित करने की योजना बना रहा है। विशेष रूप से भारत के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम हमेशा वार्षिक संबोधनों से टकराते रहे हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में दिया जाना है। अब तक, बराक ओबामा इस प्रतिष्ठित परेड में मुख्य अतिथि बनने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति थे। यह मोदी सरकार का पहला वर्ष था जब निमंत्रण भेजा गया था और ओबामा प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास किया कि वार्षिक स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की तैयारियों का असर उनकी नई दिल्ली यात्रा पर न पड़े। उन्होंने 20 जनवरी 2015 को वार्षिक भाषण दिया। डोनाल्ड ट्रम्प निमंत्रण पाने वाले दूसरे राष्ट्रपति थे, हालांकि, उन्होंने घरेलू कांग्रेस की प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए इसे अस्वीकार कर दिया, जो फिर से स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन था। भूराजनीतिक संकट बाइडेन की संभावित यात्रा ऐसे समय में होने वाली थी जब दुनिया इजराइल–हमास युद्ध, रूस–यूक्रेन युद्ध और वाशिंगटन डीसी और बीजिंग के बीच तनावपूर्ण संबंध जैसे कई संकट देख रही है।जो लोग नहीं जानते उनके लिए अमेरिका इजराइल का करीबी सहयोगी रहा है। बिडेन ने युद्धग्रस्त देश को अटूट सहायता देने की भी कसम खाई। हालाँकि, बेंजामिन नेतन्याहू के अपने शाब्दिक और राजनीतिक आलिंगन के विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि इजराइल गाजा पर ष्अंधाध ुंधष बमबारी पर समर्थन खो रहा है और इजरायली नेता को बदल जाना चाहिए, जिससे इजरायली प्रधान मंत्री के साथ संबंधों में एक नई दरार उजागर हो गई है। क्वाड शिखर सम्मेलन स्थगित चार देशों के चतुर्भुज सुरक्षा संवाद शिखर सम्मेलन की तारीखों की कभी भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी, कई मीडिया रिपोर्टों में इसके सूत्रों के हवाले से कहा गया था कि नई दिल्ली ने 27 जनवरी को शिखर सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव दिया था। जापान और ऑस्ट्रेलिया के लिए भी, भारत–ऑस्ट्रेलिया–जापान–अमेरिका नेताओं के शिखर सम्मेलन के समय ने पहले कुछ मुद्दे खड़े किए थे।

26 जनवरी ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय दिवस के साथ मेल खाता है और प्रधान मंत्री एंथोनी अल्बानीज को समारोहों के बाद सीधे कैनबरा छोड़ना होगा। उस समय अपने बजट सत्र में जापानी आहार को ध्यान में रखते हुए, जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा को यात्रा के लिए विशेष संसदीय छूट की आवश्यकता होगी।

हमास के बिना गाजा में कोई भी व्यवस्था एक छलावा, हनियेह का बड़ा दावा

हनियाह ने कहा कि हम किसी भी विचार या पहल पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जो (इजरायली) आक्रामकता को समाप्त कर सकता है और वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी दोनों में फिलिस्तीनी घर को व्यवस्थित करने के लिए दरवाजा खोल सकता है।हमास प्रमुख इस्माइल हानियेह ने बुधवार को एक टेलीविजन संबोधन में कहा कि हमास के बिना गाजा में कोई भी व्यवस्था एक भ्रम है। हनियाह ने कहा कि हम किसी भी विचार या पहल पर चर्चा करने के लिए

तैयार हैं जो (इजरायली) आक्रामकता को समाप्त कर सकता है और वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी दोनों में फिलिस्तीनी घर को व्यवस्थित करने के लिए दरवाजा खोल सकता है। हनियेह की टिप्पणी इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह उन लोगों को गाजा में प्रवेश की अनुमति नहीं देंगे जो...आतंकवाद का समर्थन करते हैं और आतंकवाद को वित्तपोषित करते हैं। हालाँकि, हनियाह ने कहा कि वह इजरायली हमले को समाप्त करने और ष्वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी दोनों में फिलिस्तीनी घर को व्यवस्थित करने के लिए बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमास बातचीत के लिए तैयार है जो एक ऐसे राजनीतिक रास्ते पर ले जा सकती है जो फिलिस्तीनी लोगों को यरूशलेम को अपनी राजधानी बनाते हुए अपने स्वतंत्र राज्य का अधिकार सुरक्षित कर सके।

हनियाह ने कहा कि हम किसी भी विचार या पहल पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जो (इजरायली) आक्रामकता को समाप्त कर सकता है और वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी दोनों में फिलिस्तीनी घर को व्यवस्थित करने के लिए दरवाजा खोल सकता है। हमास प्रमुख इस्माइल हानियेह ने बुधवार को एक टेलीविजन संबोधन में कहा कि हमास के बिना गाजा में कोई भी व्यवस्था एक भ्रम है। हनियाह ने कहा कि हम किसी भी विचार या पहल पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जो (इजरायली) आक्रामकता को समाप्त कर सकता है और वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी दोनों में फिलिस्तीनी घर को व्यवस्थित करने के लिए दरवाजा खोल सकता है। हनियेह की टिप्पणी इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह उन लोगों को गाजा में प्रवेश की अनुमति नहीं देंगे जो...आतंकवाद का समर्थन करते हैं और आतंकवाद को वित्तपोषित करते हैं। हालाँकि, हनियाह ने कहा कि वह इजरायली हमले को समाप्त करने और ष्वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी दोनों में फिलिस्तीनी घर को व्यवस्थित करने के लिए बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमास बातचीत के लिए तैयार है जो एक ऐसे राजनीतिक रास्ते पर ले जा सकती है जो फिलिस्तीनी लोगों को यरूशलेम को अपनी राजधानी बनाते हुए अपने स्वतंत्र राज्य का अधिकार सुरक्षित कर सके।

जापान में एमपाक्स से पहली मौत की रिपोर्ट, मरीज को पहले भी एचआईवी का संक्रमण था

एमपॉक्स एक वायरल संक्रमण है जो निकट संपर्क से फैलता है, जिससे फ्लू जैसे लक्षण और मवाद से भरे घाव होते हैं। अधिकांश मामले हल्के होते हैं लेकिन घातक हो सकते हैं। लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द और चकत्ते शामिल हैं। गंभीर लक्षण लगभग दो से चार सप्ताह तक रह सकते हैं। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सैतामा प्रान्त में रहने वाले 30 साल के एक व्यक्ति की एमपॉक्स से मौत हो गई, जो देश में वायरल संक्रमण के कारण पहली ऐसी मौत है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि वह व्यक्ति इम्युनोडेफिशिएंसी से पीड़ित था। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मई में घोषित किए जाने के महीनों बाद आया है कि एमपॉक्स अब अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है। उस समय दुनिया भर में नए संक्रमण के मामलों में गिरावट देखी गई थी। एमपॉक्स को पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था लेकिन नस्लवाद और कलंक के बारे में चिंताओं के कारण इसका नाम बदल दिया गया। जापान में एमपॉक्स के पहले मामले की पुष्टि पिछले साल जुलाई में हुई थी। एमपॉक्स क्या है? एमपॉक्स एक वायरल संक्रमण है जो निकट संपर्क से फैलता है, जिससे फ्लू जैसे लक्षण और मवाद से भरे घाव होते हैं। अधिकांश मामले हल्के होते हैं लेकिन घातक हो सकते हैं। लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द और चकत्ते शामिल हैं। गंभीर लक्षण लगभग दो से चार सप्ताह तक रह सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, "एमपॉक्स के सामान्य लक्षण त्वचा पर लाल चकत्ते या म्यूकोसल

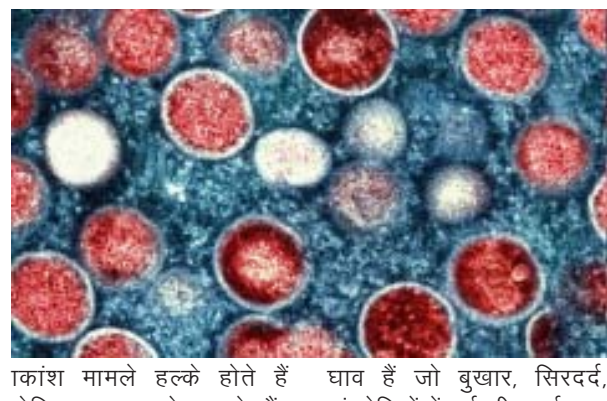

घाव हैं जो बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, कम ऊर्जा और सूजन लिम्फ नोड्स के साथ 2–4 सप्ताह तक रह सकते हैं। एमपॉक्स किसी संक्रामक व्यक्ति, दूषित सामग्री या संक्रमित जानवरों के साथ शारीरिक संपर्क के माध्यम से मनुष्यों में फैल सकता है।

संसद में घुसपैठ करने वालों को 10 लाख की कानूनी सहायता देगा पन्नू, कहा– मेरी प्रतिक्रिया से संसद हिलेगी

सुरक्षा चूक में दो घुसपैठिए, सागर शर्मा और मनोरंजन, पीला धुंआ छोड़ते हुए कनस्तर लेकर दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए। बाद में उन्हें संसद सदस्यों द्वारा पकड़कर सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया गया था।भारत द्वारा घोषित आतंकवादी और सिख्स फॉर जस्टिस का जनरल काउंसिल गुरपतवंत पन्नून ने घोषणा की है कि वह लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन में शामिल विद्रोहियों को कानूनी सहायता में 10 लाख रुपये प्रदान करेंगे। पन्नू ने कहा कि 13 दिसंबर को संसद हिल गई थी और खालिस्तान जनमत संग्रह के लिए मतदाता पंजीकरण की शुरुआत के साथ भी हिलती रहेगी। पन्नून की घोषणा कल लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन के बीच आई

है। गौरतलब है कि एक बड़ी सुरक्षा चूक में दो घुसपैठिए, सागर शर्मा और मनोरंजन, पीला धुंआ छोड़ते हुए कनस्तर लेकर दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए। बाद में उन्हें संसद सदस्यों द्वारा पकड़कर सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया गया था। इसके साथ ही, संसद के बाहर दो प्रदर्शनकारियों, नीलम (42) और अमोल (25) ने अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान एक ही रंग के गैस कनस्तरों का इस्तेमाल किया। बाद में सभी चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। संयोग से यह घुसपैठ गुरपतवंत सिंह पन्नून द्वारा कथित तौर पर 13 दिसंबर या उससे पहले भारतीय संसद पर हमला करने की धमकी जारी करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, अब तक, बुधवार की घटना और इस महीने पन्नून की पहले की धमकी के बीच कोई स्थापित संबंध नहीं है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा था कि मेरी हत्या करने की कोशिश की गई, जो नाकाम हुई। 13 दिसंबर को संसद भवन पर हमला करके मैं इसका जवाब दूंगा। पन्नू ने ये धमकी अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से भारत पर लगाए गए गंभीर आरोप के बाद दी। वीडियो में पन्नू ने संसद भवन पर हमले के दोषी अफजल गुरु के साथ वाला एक पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें लिखा दिल्ली बनेगा पाकिस्तान।

गाजा में जंग रुकने की उम्मीद नहीं, बेंजामिन नेतन्याहू ने दे दिया ऐसा बयान, दुनिया में हलचल हुई तेज

नेतन्याहू का यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मंगलवार को भारी बहुमत से एक गैर–बाध्यकारी प्रस्ताव पारित करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल, बिना शर्त रिहाई की मांग की गई है।इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद सेना गाजा में लड़ाई जारी रखेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अंत तक जारी रहेंगे। इसमें कोई सवाल ही नहीं है। मैं यह बहुत दर्द के साथ कह रहा हूं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव के आलोक में भी कह रहा हूं। हमें कोई नहीं रोकेगा। हम अंत तक जा रहे हैं, जब तक जीत,

उससे कम कुछ भी नहीं। नेतन्याहू का यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मंगलवार को भारी बहुमत से एक गैर–बाध्यकारी प्रस्ताव पारित करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल, बिना शर्त रिहाई की मांग की गई है। इस बीच, इजराइल ने घोषणा की है कि गाजा में जमीनी अभियान शुरू होने के बाद से उसकी सेना को सबसे घातक हमलों में से एक का सामना करना पड़ा, जिसमें हमास द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में नौ सैनिक मारे गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा के युद्धविराम के प्रस्ताव और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की अंधाधुंध बमबारी वाली टिप्पणी के बाद, इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद गाजा में सेना का हमला जारी रहेगा। नेतन्याहू ने एक सैन्य सुविधा का दौरा करते हुए कहा कि हमें इस मिशन को पूरा करने की आवश्यकता है। हमास पर करारी जीत से कई फायदे मिलेंगे, साथ ही काफी निवारक शक्ति और प्रेरक शक्ति भी मिलेगी – स्टैंड में बैठे बाकी दुनिया के बारे में भी। वे सभी वहां बैठे हैं, देखना चाहते हैं कौन जीतेगा। यह इतना आसान है। देखना चाहते हैं कि कौन जीतेगा, हम या वे।

खामियाजा भुगतना होगा... सोवियत सेना के स्मारक को बुल्गेरियाई सरकार ने किया गया नष्ट तो भड़क गया रूस

स्मारक को बुल्गारिया पर सोवियत प्रभुत्व के साम्राज्यवादी प्रतीक के रूप में देखा जाता है। 1989 में अधिनायकवादी शासन के पतन के बाद से बल्गेरियाई समाज के यूरोपीय समर्थक उदारवादी वर्ग द्वारा मांग की गई है। बुल्गेरियाई सरकार ने प्रतिष्ठित सोवियत सेना स्मारक को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। लगभग 70 वर्षों से बुल्गारियाई राजधानी सोफिया के केंद्र में अधिकांश परिदृश्य पर हावी है, रूसी विदेश मंत्रालय का कहना है कि बुल्गारिया को बाद में इसके लिए भुगतान करना होगा। सोफिया की क्षेत्रीय गवर्नर सोफिया व्यारा टोडेवा ने कहा कि हम स्मारक के जीर्णोद्धार के लिए सार्वजनिक खरीद आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, और फिर आंकड़े समाजवादी कला संग्रहालय में प्रदर्शित किए जाएंगे। स्मारक को बुल्गारिया पर सोवियत प्रभुत्व के साम्राज्यवादी प्रतीक के रूप में देखा जाता है। 1989 में अधिनायकवादी शासन के पतन के बाद से बल्गेरियाई समाज के यूरोपीय समर्थक उदारवादी वर्ग द्वारा मांग की गई है। लेकिन बुल्गारिया के इस कदम से रूस तुरंत नाराज हो गया, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने धमकी दी। बुल्गारिया ने फिर से इतिहास का गलत पक्ष चुना है। जखारोवा ने फेसबुक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बुल्गारिया को इस शर्मनाक फैसले का पूरा खामियाजा भुगतना होगा। देश और क्रेमलिन में रूस–समर्थक

हलकों के नाराज होने के डर से बल्गेरियाई अधिकारियों में अब तक ऐसा कदम उठाने का साहस नहीं है। इस तथ्य के बावजूद कि यूएसएसआर ने 1944 में बुल्गारिया के तटस्थ साम्राज्य पर एकतरफा युद्ध की घोषणा की, स्मारक के सामने एक संकेत है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यूएसएसआर ने बुल्गारिया पर दो साल से अधिक समय तक कब्जा कर लिया और अगले 45 वर्षों के लिए कठपुतली अधिनायकवादी शासन स्थापित करने में मदद की। स्मारक को नष्ट करना शुरू करने के लिए अधिकारियों द्वारा दी गई आधिकारिक व्याख्या यह है कि मूर्तियाँ भयानक स्थिति में हैं और पुनर्स्थापना के लिए

युद्धविराम के बढ़ते दबाव के बीच नेतन्याहू ने कहा, युद्ध में जीत तक श्हमें कोई नहीं रोकेगा

इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद सेना गाजा में लड़ाई जारी रखेगी। प्रधान मंत्री ने कहा, ष्हम अंत तक जारी रहेंगे। इसमें कोई सवाल ही नहीं है। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद सेना गाजा में लड़ाई जारी रखेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्हम अंत तक जारी रहेंगे। इसमें कोई सवाल ही नहीं है। मैं यह बहुत दर्द के साथ कह रहा हूं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव के आलोक में भी कह रहा हूं। हमें कोई नहीं रोकेगा। हम अंत तक जा रहे हैं, जब तक जीत, उससे कम कुछ भी नहींष। नेतन्याहू का यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मंगलवार को भारी बहुमत से एक गैर–बाध्यकारी प्रस्ताव पारित करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल, बिना शर्त रिहाई की मांग की गई है। इस बीच, इजराइल

पाकिस्तान की खस्ता हाल पर नवाज ने जताई चिंता, जनरल बाजवा और फैज के खिलाफ साजिश पर कही ये बात

लाहौर में पीएमएल–एन की संसदीय बोर्ड की बैठक में बोलते हुए, नवाज ने कहा कि उन्हें बदला लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने निष्कासन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराए जाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली किसी से छुपी नहीं है। वर्तमान परिस्थिति में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और देश कंगाली के साथ ही राजनीतिक उठा पटक से भी गुजर रहा है। वहीं अब मुल्क के हालात पर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक बड़ा बयान दिया है। नवाज शरीफ ने कहा कि अक्टूबर को किसी इंतकामी जज्बे से यहां नहीं आया। मैं नहीं चाहता कि कोई इंतकाम लिया जाए लेकिन हिसाब तो लेना बनता है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ ने एक बार फिर 2017 में उन्हें देश के प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए जवाबदेही की बात दोहराई। लाहौर में पीएमएल–एन की संसदीय बोर्ड की बैठक में बोलते हुए, नवाज ने कहा कि उन्हें बदला लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने निष्कासन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराए जाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने साजिशकर्ताओं के नाम सामने लाने का आह्वान करते हुए कहा कि मुझे उन लोगों को माफ करने का कोई अधिकार नहीं है जो लोगों के दुश्मन हैं। पूर्व सेना प्रमुखों के खिलाफ साजिश रचने के आरोपों का जवाब देते हुए इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस के प्रमुख नवाज ने कहा कि मैंने कभी भी जनरल (सेवानिवृत्त) बाजवा और जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हामिद के खिलाफ साजिश नहीं रची। अपने संबोधन में उन्होंने फर्जी मामलों में बरी होने के लिए भी आभार व्यक्त किया और कहा कि मेरे साथ जो कुछ भी हुआ वह अब अतीत में है। लेकिन दावा किया कि यह सिर्फ उन्हें ही दंडित नहीं किया गया था, बल्कि यह भी था। 250 मिलियन की आबादी वाले पूरे देश को इसका परिणाम भुगतना पड़ा।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले सरफराज और फिर बाबर आजम ने की एक ही गलती

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी यही गलती देखने को मिली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। सीरीज का आगाज पर्थ टेस्ट के साथ हुआ है और मैच केपहले दिन ही पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने फील्डिंग के दौरान कुछ ऐसी गलतियां की हैं, जिनको लेकर मीम्स बन रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की फील्डिंग को लेकर कई बार उनका मजाक बनता रहता है। अभी हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी यही गलती देखने को मिली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। सीरीज का आगाज पर्थ टेस्ट के साथ हुआ है और मैच केपहले दिन ही पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने फील्डिंग के दौरान कुछ ऐसी गलतियां की हैं, जिनको लेकर मीम्स बन रहे हैं। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिय ने वैसे ही पाकिस्ती गेंदबाजों को विकेट लेने के ज्यादा मौके दिए नहीं और जो मोके मिले, उन पर पाक टीम की ओर से कैच ड्रॉप हुए। खराब थ्रो करना हो या फिर मिसफील्डिंग, इसे लेकर पाकिस्तान की आलोचना हमेशा से होती रही है। पर्थ में खेल गए टेस्ट मैच के आखिरी दिन पाकिस्तान के दो पूर्व कप्तानों सरफराज अहमद और बाबर आजम ने कुछ ऐसी ही गलती की, जिसका वीडियो देखकर आपकी हंसी नहीं रुकेगी। वहीं इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में है। 64वें ओवर की पहली गेंद थी और आगा सलमान गेंदबाजी कर रहे थे। पहले गेंद को पढ़ने में डेविड वॉर्नर चूके, फिर विकेटकीपर सरफराज भी इस गेंद को पकड़ नहीं सके, स्लिप में खड़े पूर्व कप्तान बाबर आजम ने उछलकर गेंद तो पकड़ी, लेकिन डेविड वॉर्नर को आउठ करने के चक्कर में उन्होंने ऐसा थ्रो मारा कि ऑस्ट्रेलिया के खाते में एक और रन जुड गया।

आईपीएल 2024 अय्यर संभालेंगे KKR की कप्तानी, नितीश राणा होंगे उपकप्तान

श्रेयस अय्यर केकेआर टीम के कप्तान बने रहेंगे जबकि नितीश राणा उपकप्तान होंगे। आईपीएल के पिछले सीजन में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के कारण नितीश को कोलकाता नाइट राइडर्स का कप्तान बनाया गया था। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने घोषणा करते हुए कहा कि श्रेयस अय्यर टीम के कप्तान बने रहेंगे जबकि नितीश राणा उपकप्तान होंगे। आईपीएल के पिछले सीजन में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के कारण नितीश को कोलकाता नाइट राइडर्स का कप्तान बनाया गया था। वहीं केकेआर के सीईओ ने कहा है कि, ये वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण था कि श्रेयस अय्यर चोट के कारण आईपीएल 2023 से चूक गए। हमें खुशी है कि वह वापस आ गए हैं और कप्तान के रूप में फिर से चुन रहे हैं। जिस तरह से उन्होंने अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है और जिस तरह का फॉर्म उन्होंने दिखाया है, वह उनके चरित्र का प्रमाण है। हम इस बात के लिए आभारी हैं कि नीतीश पिछले सीजन में अय्यर की जगह लेने के लिए सहमत हुए थे और उन्होंने शानदार काम किया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उपकप्तान के रूप में नीतीश केकेआर को हर संभव समर्थन देंगे। वहीं इस पर श्रेयस अय्यर ने कहा कि मेरा मानना है कि पिछले सीजन में हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जिसमें चोट के कारण मेरी अनुपस्थिति भी शामिल थी। नीतिश ने न केवल मेरे लिए बल्कि अपने सराहनीय नेतृत्व से भी बहुत अच्छा काम किया। मुझे खुशी है कि केकेआर ने उन्हें उपकप्तान बनाया है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनसे नेतृत्व और मजबूत होगा।

डेविड वार्नर ने की आलोचकों की बोलती बंद, सेंचुरी लगाकर अलग अंदाज में मनाया जश्न

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन ने वॉर्नर पर निशाना साधा था। वॉर्नर ने इस तरह के सभी आलोचनाओं को अपने शतक के साथ मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने शतक लगाते ही अपना ट्रेध्डमार्क सेलिब्रेशन किया। अपने आलोचकों को किस तरह से जवाब दिया जाता है ये तो कोई ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर से सीखे। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेवनिड वॉर्नर अपने करियर की आखिरी टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। उन्होंने पहले ही ऐलान कर दिया था कि पाकिस्तान के खिलाफ होम टेस्ट सीरीज उनके करियर की आखिरी सीरीज होगी। वॉर्नर ने बल्ले से वनडे इंटरनेशनल में तो रन आ रहे थे, लेकिन टेस्ट में उनकी खराब फॉर्म ने उनके आलोचकों को मुंह खोलने का मौका दे दिया। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने सेंचुरी जड़कर अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। बता दें कि, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन ने वॉर्नर पर निशाना साधा था। साथ ही कहा था कि जिस तरह से वह सैंडपेपर गेट में आरोपी पाए गए थे और इसके बाद उन्होंने कभी खुलकर गलती को स्वीकार नहीं किया और जिस तरह की फॉर्म में वह टेस्ट क्रिकेट में थे, ऐसे में उन्हें अपनी विदाई टेस्ट सीरीज चुनने का अधिकार नहीं होना चाहिए। वॉर्नर ने इस तरह के सभी आलोचनाओं को अपने शतक के साथ मुंहतोड़ जवाब दिया है। शतक लगाते ही वॉर्नर ने अपना ट्रेध्डमार्क सेलिब्रेशन तो किया ही, लेकिन साथ ही अपने आलचोकों के मुंह पर ताला भी जड़ दिया है। र्नर के करियर का ये 26वां टेस्ट शतक था। वॉर्नर ने टेस्ट क्रिकेट में करीब एक साल बाद शतक लगाया है। उनके बल्ले से पिछला शतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछले साल खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट में आया था। तब वॉर्नर ने 200 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद से ही टेस्ट क्रिकेट में वॉर्नर के बल्ले से कोई शतक नहीं आया था। गौरतलब है कि, पाकिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना है। वॉर्नर ने शतक लगाने के बाद कहा कि, ये मेरा काम है कि मैं यहां आऊं और टीम के लिए स्कोर करूं। पहले उस्मान ख्वाजा के साथ फिर स्टीव स्मिथ के साथ अच्छी साझेदारी रही। सेंचुरी लगाकर अच्छा लगता है क्योकि आप अपनी टीम के लिए और गेंदबाोजं के लिए स्कोरकार्ड पर रन जोड़ते हैं। आलोचकों को शांत कराने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता है कि आप रन बनाएं।

फेमा उल्लघंन उच्च न्यायालय ने राजस्थान रायल्स आईपीएल टीम मालिकों पर जुर्माने की कटौती बरकरार रखी

आईपीएल क्रिकेट फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के मालिकों पर बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए लगाये गये जुर्माने को कम करने के एक न्यायाधिकरण के आदेश को बरकरार रखा है। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के मालिकों पर कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए लगाये गये जुर्माने को कम करने के एक न्यायाधिकरण के आदेश को बरकरार रखा है न्यायाधिकरण ने जुर्माने की 98 करोड़ रुपये की राशि को घटाकर 15 करोड़ रुपये करने का आदेश पारित किया था। न्यायमूर्ति के आर श्रीराम और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर की गयी अपील को खारिज कर दिया जिसमें उसने 11 जुलाई 2019 को न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि न्यायाधिकरण सबूत और विश्लेषण के आधार पर ही इस राशि को घटाने के निष्कर्ष पर पहुंचा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, ''ये निष्कर्ष भ्रष्ट होने से कोसों दूर हैं। इसलिये मामले में कानून का सवाल ही पैदा नहीं होता। हमने देखा कि विशेष निदेशक (ईडी) द्वारा अधिकतम जुर्माना लगाने की कोई वजह दर्ज नहीं की गयी है जबकि न्यायाधिकरण ने संबंधित दस्तावेज पर विचार करने के बाद हस्तक्षेप किया और यह जुर्माना कम किया है। ''पीठ ने कहा कि वह न्यायाधिकरण के फैसले से सहमत है और उन्हें न्यायाधिकरण के तर्क और निष्कर्ष के विकृत होने जैसा कुछ नहीं मिला। ईडी ने 2013 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के अंतर्गत अपनी शुरूआती जांच में कथित अनियमितताओं का खुलासा होने के बाद राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी टीम के मालिकों पर 98.35 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। टीम के मालिकों ने इसके खिलाफ अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील दायर की जिसने प्रवर्तन निदेशालय के आदेश को अनुचित ठहराया और जुर्माने की इस राशि को घटाकर 15 करोड़ रुपये कर दिया।

शमी ने सजदा विवाद पर दिया ट्रोलर्स को मुहंतोड़ जवाब, कहा– मुसलमान होने पर मुझे गर्व है

मोहम्मद शमी वर्ल्ड कप 2023 में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर काफी चर्चा में है। वहीं उन्होंने वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में पांच विकेट लेने के बाद जश्न के बारे में निराधार अफवाहों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वर्ल्ड कप 2023 में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर काफी चर्चा में है। वहीं उन्होंने वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में पांच विकेट लेने के बाद जश्न के बारे में निराधार अफवाहों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इस दौरान ट्रोलर्स को मुहंतोड़ जवाब दिया है। बता दें कि, शमी ने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं शमी ने वर्ल्ड कप 2023 में तीन बार पांच विकेट लिए, जिसमें दो न्यूजीलैंड के खिलाफ और एक श्रीलंका के खिलाफ हासिल किया। दरअसल, श्रीलंका मैच के दौरान, शमी द्वारा 5 विकेट लेने का जश्न मनाने के बाद सोशल मीडिया के एक वर्ग ने विवाद पैदा करने की कोशिश की। एक वायरल वीडियो में शमी ने श्रीलंकाई पारी के 13वें ओवर में कसुन राजिथा को आउट करके अपने 5 विकेट पूरे किए जिसके बाद घुटनों के बल बैठकर और दोनों हाथों से जमीन को छुआ। वहीं एजेंडा आजतक पर बोलते हुए शमी ने कहा कि, उन्हें एक मुसलमान और भारतीय होने पर गर्व है। और अगर वह उस दौरान नमाज पढ़ना चाहते तो उन्हें कोई भी नमाज पढ़ने से नहीं रोकता। शमी ने कहा कि उन्होंने पहले 5 विकेट लेने के बाद कभी सजदा नहीं किया और वह इस बात से हैरान थे कि श्रीलंका के किलाफ सनसनीखेज गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद उनके प्रदर्शन के बारे में कैसे आधारहीन कहानियां बनाई गई। शमी ने आगे कहा कि, अगर मैं सजदा करना चाहता, तो मुझे कौन रोक सकता है? मैं किसी को भी प्रार्थना करने से नहीं रोकूंगा। अगर मैं सजदा करना चाहता हूं तो मैं करूंगा। इसमें समस्या क्या है? मैं गर्व से कहूंगा कि मैं एक मुस्लिम हूं। मैं गर्व से कहूंगा कि मैं भारतीय हूं। इसमें दिक्कत क्या है अगर मुझे किसी से प्रार्थना करने की अनुमति मांगनी है तो फिर मुझे इस देश में क्यों रहना चाहिए? क्या मैंने पहले कभी 5 विकेट लेने के बाद सजदा किया है?

वार्नर और ख्वाजा ने की तेज शुरूआत, लंच तक आस्टेलिया के बिना विकेट गंवाये 117 रन

आस्ट्रेलियाई टीम पिछले महीने भारत में क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद खेल रही है और टीम ने साल के शुरू में विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप का फाइनल भी जीता था। पाकिस्तान ने 1995 के बाद से आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने सीमित ओवरों के क्रिकेट की तरह बल्लेबाजी करते हुए 67 गेंद में नाबाद 72 रन बनाये जिससे आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के शुरूआती मैच के पहले सत्र में बिना विकेट गंवाये 117 रन बना लिये।बांह पर काली पट्टी बांधकर खेल रहे उस्मान ख्वाजा ने एक जीवनदान मिलने के बाद लंच तक नाबाद 37 रन बना लिये। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया जिसके बाद सलामी जोड़ी ने पहले ओवर में पाकिस्तान के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पर 14 रन जुटाये। आस्ट्रेलियाई टीम पिछले महीने भारत में क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद खेल रही है और टीम ने साल के शुरू में विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप का फाइनल भी जीता था। पाकिस्तान ने 1995 के बाद से आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है। मेजबान टीम ने 10वें ओवर में 50 रन पार कर दिये थे जबकि वॉर्नर ने फहीम अशरफ पर बाउंड्री लगाकर 41 गेंद में 50 रन पूरे किये।

सर्दियों में स्प्रे–परफ्यूम छिड़कर पहन रहे हैं जैकेट–स्वेटर, तो छोड़ दें जुगाड़, जानें बदबू दूर करने के बेजोड़ तरीके

सर्दियां आते ही जैकेट, स्वेटर और कुछ एक्स्ट्रा कपड़े बाहर निकल जाते हैं. बार–बार इस्तेमाल होने से इनमें से बदबू भी आने लगती है लेकिन इस मौसम में जैकेट या स्वेटर को धोना काफी मुश्किल काम लगता है. इसका एक कारण ये भी है कि सर्दी के मौसम में धूप कम निकलती है और ये कपड़े मोटे होते हैं तो सूखने में वक्त लेते हैं. ऐसे में बहुत से लोग रोज–रोज स्प्रे–परफ्यूम यूज कर इसे पहनते हैं लेकिन ये कोई परमानेंट विकल्प नहीं है. इससे बदबू दूर नहीं होती बल्कि ज्यादा आने लगती है. इसलिए हम आपको कुछ ऐसे बेजोड़ तरीके बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप जैकेट को बिना धोए ही खुशबूदार बना सकते हैं. चलिए जानते हैं...हर बार यूज करने के बाद ऐसे रखें जैकेट–स्वेटर जब भी जैकेट–स्वेटर पहनकर कहीं से घर वापस आए तो उसे उतारकर हैंगर पर फैलाकर खुली हवा में टांग दें. सर्दियों के मोटे कपड़ों को धूप में रखना बदबू को दूर करने का अच्छा विकल्प होता है. रात में स्वेटर या जैकेट को खुली खिड़की के पास टांग सकते हैं. बेकिंग सोडा से भगाएं बदबू गंध यानी बदबू को एब्जॉर्ब करने में बेकिंग सोडा बेहद कारगर माना जाता है. सर्दियों के कपड़ों से बदबू आने पर रात में कपड़े पर बेकिंग सोडा छिड़क कर उसे छोड़ दें. सुबह अच्छी तरह झाड़कर पहनें, बदबू गायब हो जाएगी. इसे दोबारा से इस्तेमाल कर सकते हैं. सिरका दूर करेगा जैकेट–स्वेटर की स्मेलअगर आप स्वेटर–जैकेट से बदबू दूर करने के लिए बेकिंग सोडा नहीं इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आप सिरके की मदद से बदबू भगा सकते हैं. एक बोतल में विनेगर और पानी बराबर मात्रा में मिलाकर इसे कपड़े पर स्प्रे करें इसके बाद सूखने के लिए खुली हवा में टांग दें. बदबू दूर हो जाएगी और आप पहनकर कहीं भी जा सकते हैं. इस तरह सर्दी के मोटे कपड़ों को बिना धोए, उनकी स्मैल को दूर कर सकते हैं.

कश्मीरा परदेशी को द फ्रीलांसर द कन्क्लूजन के लिए समुद्र में शूटिंग करना दर्दनाक लगा

अभिनेत्री कश्मीरा परदेशी ने उस दृश्य को याद किया जहां वह द फ्रीलांसररू द कन्क्लूजन के लिए समुद्र में शूटिंग कर रही थीं और इसे दर्दनाक बताया। कश्मीरा ने कहारू सबसे चुनौतीपूर्ण दृश्य निष्कर्षण का हिस्सा था, जिसे समुद्र में शूट किया गया था जहां हम एक स्पीड बोट पर कूद गए थे। उस दिन, पानी अप्रत्याशित रूप से उग्र था, जिससे हमें सावधान रहना पड़ा। मानसिक रूप से तूफानी समुद्र के लिए तैयार नहीं था, यह एक था थोड़ा डरावना था, और हम सभी भीग गए। वह सबसे दर्दनाक दृश्य था! डिज्नी हॉटस्टार शो के दूसरे सीजन में, अविनाश कामथ अपने निष्कर्षण मिशन के अंतिम चरण पर निकलते हैं। यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब ए टिकट टू सीरिया पर आधारित है, जिसका निर्देशन भाव धूलिया ने किया है। 15 दिसंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म में मोहित रैना, अनुपम खेर, सुशांत सिंह, जॉन कोककेन, गौरी बालाजी और नवनीत मलिक, मंजिरी फडनिस और सारा जेन डायस भी हैं।

चेहरे को खूबसूरत और ग्लोइंग बनाने में फेश वाश या क्लींजर किसका करें इस्तेमाल? जानें क्या है ज्यादा कारगर

स्किन को खूबसूरत और हेल्दी रखने के लिए नियमित तौर पर उसकी देखभाल करनी पड़ती है. त्वचा को साफ करने लोग फेश वॉश और क्लींजर का इस्तेमाल करते हैं. इन प्रोडक्ट्स से रोम छिद्रों से गंदगी साफ होती है और त्वचा हेल्दी बनती है. हालांकि, कुछ लोग फेश वॉश और कुछ लोग क्लींजर का यूज करते हैं क्या आप दोनों के बीच का अंतर जानते हैं अगर नहीं तो चलिए जानते हैं..

फेसवॉश और क्लींजर में अंतर

फेसवॉश और क्लींजर दोनों का काम स्किन साफ करना है. फेसवॉश एक फोमिंग क्लींजर होता है, जबकि क्लिनिंग लोशन या क्लींजर नॉन–फोमिंग होता है. क्लींजर का इस्तेमाल करने के बाद चेहरा धोया नहीं बल्कि पोछा जाता है.

फेश वॉश और क्लींजर किस तरह काम करते हैं

फेसवॉश में झाग होता है, जो रोमछिद्रों में जमा गंदगी को गहराई तक साफ करता है. अगर चेहरे पर हैवी मेकअप है और ज्यादा गंदगी–धूल से संपर्क हो रहा है तो फेश वॉश का इस्तेमाल करने से पहले क्लींजर लगाने से चेहरे की गंदगी दूर हो सकती है. वहीं, अगर क्लींजर की बात करें तो ये चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल, मेकअप और गंदगी दूर करता है. फेसवॉश की तुलना में ये सौ फीसदी ज्यादा इफेक्टिव होता है.धूल और गंदगी को दूर कर स्किन को हेल्दी बनाए रखता है.फेसवॉश और क्लींजर का इस्तेमाल कब करें

1. फेश वॉश और क्लींजर का इस्तेमाल डेली रुटीन पर डिपेंड करता है.

2. सुबह फोमिंग फेसवॉश यूज करते हैं और घर लौटते समय हैवी ट्रैफिक और पॉल्युशन से चेहरे पर गंदगी जम गई है तो क्लींजर करके फेसवॉश का इस्तेमाल करें.3. रात में सोने से पहले चेहरे से गंदगी हटाने क्लींजर का इस्तेमाल करना बेहतर होता है.4. मेकअप रिमूव करने के लिए भी पहले क्लींजर का इस्तेमाल करना चाहिए. इससे त्वचा को मॉश्चराइज होता है और अंदर तक उसकी साफ–सफाई होती है.5. सेंसिटिव त्वचा के लिए फेशवॉश और क्लींजर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

6. सुबह या शाम सिर्फ एक बार फेसवॉश का इस्तेमाल करना चाहिए.दिन में दो बार क्लींजर से स्किन साफ कर सकते हैं.7.ज्यादा मात्रा में फेसवॉश या क्लींजर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 15 दिसंबर 2023
sheelshukla100@gmail.com

रजनीकांत के फैंस को मिला तोहफा, एक्टर की अगली फिल्म थलाइवर 170 के शीर्षक से उठा पर्दा

साउथ फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री तक अपनी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर लोगों के दिल पर राज करने वाले एक्टर रजनीकांत 12 दिसंबर को 73 साल के हो गए हैं। इस खास मौके पर रजनीकांत के तमाम चाहने वालों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। रजनीकांत को सोशल मीडिया के जरिए आम से लेकर खास लोगों का काफी प्यार मिला है। वहीं, रजनीकांत के फैंस के लिए खुशखबरी है। दरअसल, रजनीकांत के जन्मदिन पर उनकी अगली फिल्म थलाइवर 170 के टाइटल का अनाउंसमेंट कर दिया गया है। आइए जानते हैं कि रजनीकांत की इस फिल्म का नाम क्या है।

फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर रजनीकांत की टीजर का लिंक पोस्ट किया है। इस पोस्ट के साथ कैप्शन दिया, इंतजार खत्म हुआ! पेश है थलाइवर 170 का टाइटल वेट्टैयन। स्पेशल

डे पर थलाइवर के पॉवर, स्टाइल और स्वैग को दिखाना। रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन के टीजर को काफी पसंद किया जा रहा है। रजनीकांत हमेशा की तरह अपने अलग अंदाज में नजर आए और फैंस का दिल जीत गए। फिल्म वेट्टैयन में रजनीकांत के साथ अमिताभ बच्चन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इन दोनों स्टार्स ने पहले भी एक साथा काम किया है। फैंस एक बार फिर रजनीकांत और अमिताभ बच्चन को फिल्म में देखने के लिए उत्साहित हैं।

बताते चलें कि रजनीकांत ने अपने ट्विटर हैंडल पर कुछ दिनों पहले एक तस्वीर शेयर की थी।

इस तस्वीर में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन नजर आ रहे हैं। रजनीकांत ने इस फोटो के साथ कैप्शन लिखा था, 33 साल बाद एक फिर अपने मेंटर अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म थलाइवर, 170 में काम कर रहा हूं। फिल्म को टीजे गनेवल डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म एनिमल से बाबी देओल उर्फ अबरार हक की एंट्री वाला गाना जमाल कुडू जारी

संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल की हर तरफ चर्चा हो रही है। यह फिल्म शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है।इसमें रणबीर कपूर, रश्मिका मंदारा और अनिल कपूर मुख्य भूमिका में हैं।बॉबी देओल भी इस फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।पिछले दिनों एनिमल से बॉबी की एंट्री वाले गाने जमाल कुडू का ऑडियो जारी किया गया था तो वहीं अब इस गाने का वीडियो सामने आ चुका है।जमाल कुडू ईरानी गाने को शबीना, आभिक्य, ऐश्वर्या दसरी और मेघना नायडू ने अपनी आवाज दी है।इस गाने में बॉबी शराब का गिलास को सिर पर रखकर डांस करते नजर आ रहे हैं।

दुनिया भर में बवाल काट रही है एनिमल, 12वें दिन कर लिया 750 करोड़ का आंकड़ा पार

रणबीर कपूर की एनिमल दुनियाभर में गर्दा उड़ा रही है. इस क्राइम थ्रिलर फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन एक और माइल स्टोन पार कर लिया है. रणबीर कपूर की एनिमल देश और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही है. फिल्म का क्रेज ऑडियंस के सिर चढ़कर बोल रहा है. इसी के साथ एनिमल की कमाई भी बढ़ती ही जा रही है. फिल्म वर्ल्डवाइड भी अपने कलेक्शन में जबरदस्त इजाफा कर रही है. एनिमल की ग्लोबली कमाई के आंकड़े हैरान कर देने वाले हैं. एनिमल को रिलीज हुए 12 दिन हो चुके हैं और वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने 12 दिनों में 750 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक रिलीज के 12वें दिन एनिमल का दुनियाभर में 757.73 करोड़

का कलेक्शन हो गया है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी एनिमल बुलेट से भी तेज रफ्तार से कमाई कर रही है. रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर एनिमल ने रिलीज के 12वें दिन 13 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ एनिमल की देशभर में सभी भाषाओं में कुल कमाई 458.12 करोड़ रुपये हो गई है. रणबीर कपूर की एनिमल अब 500 करोड़ के टारगेट की ओर तेजी से बढ़ रही है. उम्मीद है कि इस वीकेंड तक फिल्म इस आंकड़े को भी पार कर लेगी.इसी के साथ ये फिल्म इस क्लब में शामिल होने वाली साल 2023 की चौथी फिल्म बन जाएगी. इससे पहले पठान, जवान और गदर 2 500 करोड़ के कल्ब में शामिल हो चुकी हैं. एनिमलय बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है और तमाम फिल्मों के रिकॉर्ड भी ब्रेक कर रही है. वहीं अब इस फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन 13 करोड़ का कलेक्शन कर सनी देओल की गदर 2 से लेकर आमिर खान की दंगल तक का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. इन फिल्मों की 12वे दिन की कमाई की बात करें तो–श्एनिमलय ने 12वें दिन 13 करोड़ का कलेक्शन किया है, गदर 2 ने 12वें दिन 12.1 करोड़ का कलेक्शन किया था, दंगल का 12वें दिन का कलेक्शन 9.81 करोड़ रहा.

बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी एनिमल में रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म सिनेमाघरों में एक दिसंबर को रिलीज हुई थी.

सैम बहादुर ने वसूला बजट, विक्की कौशल की फिल्म ने 60 करोड़ का आंकड़ा पार किया

विक्की कौशल की वॉर ड्रामा फिल्म श्सैम बहादुरश्य बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन से ही रणबीर कपूर की क्राइम थ्रिलर श्एनिमलश्य से मुकाबला कर रही है. हालांकि ये फिल्म एनिमल जितनी ध

ुंआधार कमाई तो नहीं कर पा रही है लेकिन धीरे–धीरे ही आगे बढ़ते हुए फिल्म ने अपना बजट वसूल कर लिया है. चलिए यहां जानते हैं सैम बहादुर ने रिलीज के 12वें दिन कितना कलेक्शन किया है? सैम बहादुर को क्रिटिक्स से लेकर ऑडियंस तक से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला बावजूद इसके फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा है. दरअसल फिल्म की कमाई पर रणबीर कपूर की एनिमल के चलते काफी असर हुआ है. श्सैम बहादुरश्य अब रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. श्सैम बहादुरश्य ने रिलीज के दूसरे मंडे 2.15 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं अब फिल्म की रिलीज के दूसरे मंगलवार की कमाई के शुरूआती आंकड़े भी आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्सैम बहादुरश्य ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 2.40 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ फिल्म की 12 दिनों की कुल कमाई अब 61.10 करोड़ रुपये हो गई है. श्सैम बहादुरश्य की दुनियाभर की कमाई की बात करें तो ये फिल्म वर्ल्डवाइड अभी भी 100 करोड़ का कलेक्शन नहीं कर पाई है. फिल्म ने अभी तक 81.8 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है. यह फिल्म भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की लाइफ पर बेस्ड बायोपिक है. मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 55 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी और इसने रिलीज के 12 दिनो में अपने बजट से ज्यादा कमाई कर ली है. फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो श्सैम बहादुरश्य में विक्की कौशल ने सैम मानेकशॉ के किरदार को निभाया है. फिल्म में सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख ने भी अहम रोल प्ले किया है.

महेश बाबू की फिल्म गुंटूर करम से ओह माय बेबी गाना हुआ रिलीज

अपने दूसरे एकल रिलीज के साथ नवीनतम संगीतमय रत्न, गुंटूर करम के हार्दिक सार की खोज करें। ओह माय बेबी का गीत वीडियो अब आपकी उंगलियों पर है, जो आपको मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुनों और रोमांटिक वाइब्स की दुनिया में आमंत्रित कर रहा है। यह संगीतमय उत्कृष्ट कृति फिल्म गुंटूर करम से ली गई है, जिसमें करिश्माई जोड़ी महेश बाबू और श्रीलीला के साथ–साथ मंत्रमुग्ध करने वाली मीनाक्षी चौधरी भी हैं। उस्ताद थमन एस द्वारा सटीकता से तैयार की गई, ओह माई बेबी की रचना उनकी संगीत कौशल का एक प्रमाण है। शिल्पा राव की दिल को छू लेने वाली आवाज गाने में भावनाओं की एक अतिरिक्त परत जोड़ती है, जिससे एक मनोरम सिम्फनी बनती है जो प्यार और रोमांस के साथ गूंजती है। जैसे ही आप सुनते हैं, एक ऐसे क्षेत्र में ले जाने के लिए तैयार रहें जहां भावनाओं को संगीत के माध्यम से खूबसूरती से व्यक्त किया जाता है। प्रतिभाशाली त्रिविक्रम के निर्देशन में यह फिल्म एक दृश्य और श्रवण का वादा करती है, जो इसके कलाकारों के शानदार प्रदर्शन से और भी बढ़ जाती है। सुपर स्टार महेश बाबू, श्रीलीला और मीनाक्षी चौधरी अपने किरदारों को जीवंत बनाते हैं, अपनी निर्विवाद ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री के साथ सिनेमाई अनुभव को बढ़ाते हैं।गुंटूर करम का जादू अभिनेताओं और दृश्यों से परे तक फैला हुआ हैय यह प्रत्येक नोट और गीत में जटिल रूप से बुना गया है। विपुल सरस्वती पुत्र रामजोगय्या शास्त्री द्वारा लिखे गए गीतों की शिल्पा राव की प्रस्तुति गीत के भावनात्मक भागफल को बढ़ाती है, एक संगीतमय यात्रा का निर्माण करती है जो श्रोताओं के दिलों में बस जाती है। जैसे ही आप ओह माई बेबी के गीत वीडियो में गहराई से उतरते हैं, माधुर्य और भावनाओं का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण आपको घेर लेता है। चाहे आप भावपूर्ण ध

ुनों के प्रशंसक हों या एक अच्छी तरह से तैयार किए गए प्रेम गीत की सराहना करते हों, यह संगीतमय प्रस्तुति एक अमिट छाप छोड़ने के लिए बाध्य है। जब गुंटूर करम सिल्वर स्क्रीन पर आएगी, तो संपूर्ण सिनेमाई अनुभव के लिए हमारे साथ बने रहें।

नए फोटोशूट में इतराईं मौनी राय, रिवीलिंग गाउन में फ्लान्ट किया कर्वी फिगर

मौनी रॉय अपनी फिल्मों और किसी टीवी शोज से ज्यादा लुक्स और स्टाइलिश अदाओं के कारण चर्चा में रही हैं. मौनी भी फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अक्सर उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक उनके इंस्टाग्राम पेज पर देखने को मिल जाती है. ऐसे में उनके फॉलोअर्स की लिस्ट भी काफी लंबी हो चुकी है, जो उनके हर नए लुक को देखने के लिए बेताब रहते हैं. अब फिर से मौनी ने अपना सिजलिंग अंदाज दिखाया है.

मौनी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है. तस्वीरों में उन्होंने साइड कट डीपनेक मल्टीशेड सीक्वेंस वाला गाउन पहने हुए देखा जा रहा है.

एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल शाइनी बेस, न्यूड पिंक लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इस लुक के साथ उन्होंने अपने बालों को वेवी टच देकर ओपन रखा हुआ है.

मौनी ने अपने इस किलर को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक स्टनिंग पोज दिए हैं. एक्ट्रेस हमेशा की तरह इस लुक में भी बेहद खूबसूरत और हॉट दिख रही हैं. मौनी की गॉर्जियस अदाओं के साथ–साथ लोग उनके कर्वी फिगर पर भी दिल हार बैठे हैं. एक्ट्रेस का ये नया लुक भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल होने लगा है.

दूसरी ओर मौनी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह कम ही प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं. काम के साथ–साथ एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को भी पूरा वक्त दे रही हैं. अक्सर उन्हें पति सूरज नाम्बियर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए देखा जा रहा है. वहीं, जल्द ही मौनी द वर्जिन ट्री टाइटल से बन रही फिल्म में भी नजर आने वाली हैं.

प्रभास की फिल्म सालार का पहला गाना सूरज ही छांव बनके जारी, दिल छू लेंगे बोल

पिछले काफी समय से साउथ के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार चर्चा में है और फिल्म इसलिए भी सुर्खियां बटोर रही है, क्योंकि इसके निर्देशन की कमान प्रशांत नील ने संभाली है, जो केजीएफ जैसी सुपरहिट फ्रैंचाइजी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं।उधर इस फिल्म के ट्रेलर को भी दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। सालार के पहले गाने सूरज ही छांव बनके का बेसब्री से इंतजार था और अब आखिरकार यह इंतजार खत्म हो गया है।फिल्म का गाना हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज किया गया है। गाने के बोल बेहद खूबसरत हैं। ये कुछ ऐसे

हैं, जो सीधे दिल को छू जाते हैं, वहीं फिल्म में देवा बने प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन उर्फ वर्धा की दोस्ती की झलक इसमें देखने को मिल रही है।दोनों के बीच शानदार बॉन्डिंग नजर आ रही है, वहीं काफी समय बाद दोस्ती पर एक खूबसूरत गाना सुनने को मिला है।मेनुका पौडेल ने इसे अपनी आवाज दी है। बता दें कि 1 दिसंबर को फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी किया गया था, जो रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।फिल्म में श्रुति हासन और जगतपति बाबू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।कुछ ही दिन पहले फिल्म को सेंसर बोर्ड से ए सर्टिफिकेट मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 2 घंटे और 55 मिनट की होगी।यह फिल्म 22 दिसंबर को तेलुगु, मलयालम, तमिल, कन्नड़ और हिंदी में भी रिलीज होगी।

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच एसआईटी गठित

पुलिस ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच के लिए एक विशेष

जांच टीम (एसआईटी) गठित की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में कहा कि इस सिलसिले में पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए हैं। मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान के निधन के मात्र केवल एक हफ्के बाद हो गयी थी। दोनों के मौत की खबरों को एक साथ जोड़ कर देखा गया। शुरूआती तौर पर यह सामने आया था कि दिशा सालियान ने सुसाइड किया है लेकिन कुछ परिस्थितियां ऐसी जांच में सामने आयी जिसके बाद हत्या के एंगल से भी जांच शुरू हुई। ऐसा ही सुशांत सिंह राजपूत के साथ भी हुआ। सुशांत की मौत काफी लोग सुसाइड नहीं बल्कि हत्या मानते हैं। उसके पीछे कई तर्क भी दिए है। अब सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की जांत के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। ताकि हर एंगल से जांच हो सके।

पुलिस ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में कहा कि इस सिलसिले में पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए हैं। राज्य के गृह विभाग का प्रभार भी संभाल रहे फडणवीस से जब संवाददाताओं ने यह सवाल किया कि क्या सालियान मामले में एसआईटी गठित की गई है, उन्होंने कहा, ''पिछले साल राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में, विधानसभा में (एसआईटी गठित करने की) मांग उठी थी। सरकार ने कहा था कि साक्ष्यों की पड़ताल की जाएगी और पुलिस विभाग को निर्देश दिए जाएंगे। इसलिए, उन्हें निर्देश दिए गए हैं।'' मुंबई में एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''मलवानी थाने के वरिष्ठ निरीक्षक चिमाजी अधव मामले की जांच करेंगे और पुलिस उपायुक्त अजय बंसल जांच की निगरानी करेंगे।'' सालियान (28) ने आठ जून 2020 को एक इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। इसके कुछ ही दिन बाद, सुशांत (34) का शव मुंबई के उपनगर बांद्रा में अपने फ्लैट में फंदे से लटका मिला था। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने पुलिस को पत्र लिखकर कहा था कि उन्हें अपनी बेटी की मौत के मामले में किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है। उन्होंने मुंबई पुलिस की जांच पर भी पूरी तरह से संतोष जताया था। एसआईटी के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि पार्टी दबाव बनाने के इस तरह के हथकंडों के आगे नहीं झुकेगी। भाजपा की आलोचना करते हुए राउत ने कहा कि वे अमेरिकी या रूसी जासूसी एजेंसियों–क्रमश सीआईए और केजीबी को जांच सौंप सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हम दबाव बनाने के इन हथकंडों के आगे नहीं झुकेंगे।

प्रभास के साथ रोमांस करेंगी तृप्ति डिमरी फिल्म की सफलता के बाद आ एक्ट्रेस के पास रहे बड़े–बड़े आफर?

तृप्ति डिमरी ने एनिमल में अपने अभिनय से सभी को प्रभावित किया है। वह शानदार रही हैं और रणबीर कपूर के साथ उनके बोल्ड सीन शहर में चर्चा का विषय बने रहे। एनिमल बहुत हिट है। फिल्म ने महज 7 दिनों में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। तृप्ति डिमरी ने एनिमल में अपने अभिनय से सभी को प्रभावित किया है। वह शानदार रही हैं और रणबीर कपूर के साथ उनके बोल्ड सीन शहर में चर्चा का विषय बने रहे। एनिमल बहुत हिट है। फिल्म ने महज 7 दिनों में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म को दर्शकों के साथ–साथ क्रिटिक्स से भी अच्छे रिव्यू मिले हैं। रणबीर कपूर को भी उनके अभिनय के

लिए सराहा गया है। एनिमल को रणबीर के बेहतरीन एक्ट्स में से एक कहा जाता है। फिल्म में रश्मिका मंदाना, अनिला कपूर और बॉबी देओल भी हैं। इन सभी ने अद्भुत प्रदर्शन किया है और इसलिए दर्शकों का दिल जीत लिया है। एनिमल की सफलता ने इन सभी सितारों को एक बड़ा नाम दिया है। तृप्ति डिमरी को बहुत प्यार मिल रहा है और लोग उन्हें अधिक से अधिक फिल्में करते हुए देखना चाहते हैं। एनिमल की अपार सफलता के बाद तृप्ति शहर में चर्चा का विषय बन गई हैं।

ऐसी अफवाह है कि एनिमल डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा को उनका काम पसंद आया है और उन्होंने उन्हें अपनी अगली फिल्म में भी कास्ट करने का फैसला किया है। स्पिरिट में प्रभास के साथ अभिनय करेंगी तृप्ति डिमरी? ंदीप रेड्डी वांगा अपनी अगली फिल्म स्पिरिट पर काम कर रहे हैं जिसमें प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। कहा जा रहा है कि वह प्रभास के अपोजिट तृप्ति को लीड रोल में लेना चाहते हैं। हालाँकि, गुल्टे.कॉम के अनुसार, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। संदीप ने स्पिरिट की स्क्रिप्ट भी पूरी नहीं की है, अब उन्हें कास्ट करने का सवाल ही नहीं उठता।

कृषि सूचना तंत्र सुदृढीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत किसान गोष्टी हुआ आयोजित

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे कृषि विभाग के द्वारा निर्धारित कृषि उत्पादन वृद्धि के लिए प्रसार कृषि निवेश तथा तकनीकी प्रबन्धन योजनान्तर्गत कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम योजनान्तर्गत एवं खण्ड स्तरीय गोष्टी मेला, गुरुवार को विकास खण्ड परिसर बरहज में आयोजित किया गया ५ जिसके मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सुभाष प्रसाद थे ५ गोष्टी कार्यक्रम में फसलों की बुआई और रख रखाव के बारे में किसानों को बताया गया ५आयोजित गोष्टी को संबोधित करते हुए एसएमएस ओंकार नाथ दूबे व पूर्व एसएमएस फूलचंद निषाद ने कहा कि वैज्ञानिक व जैविक पद्धति से खेती करने पर भूमि उर्वरा होगी और किसानों को जहां अच्छी पैदावार का लाभ मिलेगा, वहीं किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी ५ बीटीएम अमित कुमार त्रिपाठी व गोदाम इंचार्ज राधेश्याम चौधरी ने फसलों को कीटों से बचाने, मिट्टी से जांच सहित खेती के अन्य बिन्दुओं पर किसनों को विस्तार पूर्वक बताया गया ५ एफपीओ के चेयरमैन जीतेन्द्र भारत सरकार की नीतियों व कल्याणकारी योजनाओं से किसानों को लाभान्वित

होने हेतु, जागरूक किया इस दौरान किसान सलाहकार दिग्विजय नाथ सिंह, एफपीओ के चेयरमैन ज्ञानेश्वर सिंह, एडीओ कृषि देवेश आनंद सिंह, गोदाम इंचार्ज राधेश्याम चौधरी, पूर्व बीटीएम बिजेंद्र भारती, एटीएम सन्तोष मिश्रा,अजय कुमार सिंह,तकनीकी सहायक राजेश कुमार, ललित कुमार, चन्दन कुमार, शिव संकर सहित सैकड़ों कृषक उपस्थित रहें ५

जिलाधिकारी ने निराश्रित गो-आश्रय स्थलों का किया निरिक्षण

गोवंशों को पोषक तत्वों से युक्त संपूर्ण आहार उपलब्ध कराने के लिए की नई शुरुआत

गोवंशों को साइलेज अनिवार्य करने वाला पहला जिला बना

ब्यूरो

देवरिय (उ0प्र0) देवरिया जिले मे जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने निराश्रित गो–आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को पोषक तत्वों से युक्त संपूर्ण आहार उपलब्ध कराने के लिए नई शुरुआत की है। डीएम की पहल पर जनपद में संचालित समस्त गोशालाओं में साइलेज का प्रयोग बतौर चारा करना अनिवार्य कर दिया गया है। देवरिया ऐसा करने वाला प्रदेश का पहला जनपद बन गया है। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि नवाचार के तहत समस्त शासकीय सहायता प्राप्त निराश्रित गो–आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को भोजन में भूसे की जगह साइलेज देना शुरू किया गया है। भूसे में किसी भी तरह की न्यूट्रिशियस वैल्यू नहीं होती है, जबकि साइलेज पोषक तत्वों से युक्त अत्यंत पौष्टिक आहार है। विगत एक माह से सभी गोवंशों को लगभग तीन किलो साइलेज दिया जा रहा है, जिसका आउटपुट बहुत अच्छा है। गाय की सेहत सुधर रही है और वे पहले से अधिक स्वस्थ दिख रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में सरकारी सहायता प्राप्त समस्त गोशालाओं में भूसे की खरीद पर रोक लगा दी गई है। भूसे के पुराने स्टॉक को खपाने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी नगर निकाय अथवा जिला पंचायत ने भूसे का क्रय किया तो उसका भुगतान नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार साइलेज के प्रयोग को प्रोत्साहन दे रही है।मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविंद कुमार वैश्य ने बताया कि जनपद के 24 निराश्रित गो–आश्रय स्थलों में 1708 गोवंश संरक्षित हैं। साइलेज की आपूर्ति सीतापुर स्थित एक निजी फर्म द्वारा की जा रही है। साइलेज के प्रयोग का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके सेवन से विभिन्न रोगों के प्रति गोवंशों की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ी है, जिससे

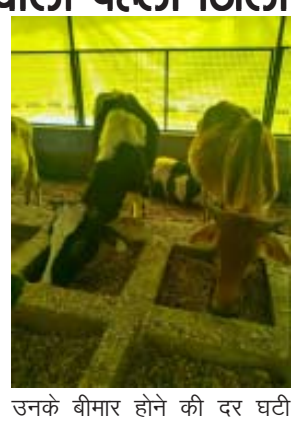

उनके बीमार होने की दर घटी है। क्या होता है साइलेज साइलेज एक नए जमाने का पशु आहार है जिसे दुधारू पशुओं के लिए वरदान सरीखा माना गया है। यह हरे चारे और दाने के बीच की कड़ी है अतः इसमें दोनों के गुण पाए जाते हैं। इसमें 20 प्रतिशत तक मक्के के दाने का प्रयोग होता है। इसमें प्रोटीन, क्रूड फाइबर, स्टार्च, जिंक, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस, पोटेशियम सहित विभिन्न तरह के पोषक तत्व होते हैं। इसे बनाने में आमतौर पर मक्का, बाजरा, ज्वार इत्यादि का प्रयोग किया जाता है। इसके प्रयोग से दूध उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ इसकी गुणवत्ता अच्छी होती है और फैट की मात्रा बढ़ती है। रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पशुओं को साल भर एक जैसे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित होती है और इसकी लागत भी कम आती है। जनपद में इसकी आपूर्ति 8.90 से रुपये प्रति किलो की दर से हो रही है। कैसे बनता है साइलेज साइलेज बनाने के लिए पहले मक्का की फसल को दुधिया दाने की अवस्था में भुट्टे सहित काट कर कुट्टी कर लेते हैं। फिर इस कुट्टी किये हुए चारे को इनकुलेन्ट से शोधित करके, मशीनों की मदद से अच्छे से दबा कर एयर टाइट पैक कर दिया जाता है द्य एयर टाइट बैग में पैक रहने पर चारे में फर्मेंटेशन होता है और लगभग 21 से 30 दिन में साइलेज बनकर तैयार हो जाता है ।साइलेज को बेलर मशीन से बनाया जाता है।

आयुषी को मिला राष्ट्रपति के द्वारा प्रथम अतुल माहेश्वरी स्वर्णपदक पुरस्कार

देवरिया

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले सलेमपुर सेंट जेवियर्स स्कूल मे प्रधानाचार्य वी के शुक्ल द्वारा विद्यालय की छात्रा रही आयूषी तिवारी को उसकी विशिष्ट उपलब्धि के लिए पुरस्कृत और सम्मानित किया गया । प्राप्त समाचार के आधार पर बताया गया है कि सेंट जेवियर्स स्कूल सलेमपुर से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा प्राप्त कर काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय वाराणसी से जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन मे स्नातक प्रथम श्रेणी और परास्नातक मे विश्वविद्यालय मे प्रथम स्थान प्राप्त करने पर गत 11 दिसम्बर 23 दो आयोजित दीक्षांत समारोह

मे आयूषी तिवारी को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से प्रथम अतुल माहेश्वरी पत्रकारिता पुरस्कार व स्वर्णपदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य हो कि पत्रकारिता के क्षेत्र मे दिया जाने वाला प्रथम अतुल माहेश्वरी पुरस्कार एवं स्वर्णपदक भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों विद्यापीठ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान आयूषी तिवारी को प्रदान किया गया। परास्नातक मे अध्ययनरत रहते आयूषी का चयन अमर उजाला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ–साथ न्यूज मीडिया चौनल मे हो गया और वर्तमान मे वह न्यूज 18 मे प्रशिक्षु उदघोषिका के रूप मे कार्यरत है । आयूषी तिवारी की इस उपलब्धि पर सेंट जेवियर्स स्कूल सलेमपुर के प्रधानाचार्य वी के शुक्ल ने विद्यालय की प्रार्थना सभा मे अंग वस्त्र और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया और अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए आयूषी के उज्जवल भविष्य की कामना की और छात्रों को सम्बोधित करते हुए अपनी प्रतिभा को विभिन्न क्षेत्रों मे विकसित करने की बात कही साथ ही आयूषी जैसी मेधावी छात्रा से प्रेरणा लेने का सुझाव दिया। प्रार्थना सभा मंच पर आयूषी के पिता अजय कुमार तिवारी जो नोनापार के निवासी हैं और भटनी बाजार मे व्यवसायी हैं को अंग वस्त्र और स्मृतिचिन्ह प्रदान करे सम्मानित किया । समारोह का सफल संचालन हिंदी प्रवक्ता गोपाल जी त्रिपाठी ने किया ।। उक्त समारोह के दौरान जगदीश तिवारी,सोमनाथ तिवारी,अजय चतुर्वेदी,गुफरान खान,आरिफ अली रूपल वर्मा,सुभद्रा शर्मा भृग्वेंद्र कुमार सिंह सहित सभी शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे ।

एनसीसी कैडेटों के ड्रिल पीटी परेड के दौरान छुटे पसीने

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले के 49 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा बीजीएमआईसी भागलपुर में संचालित 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर संख्या 175 के चौथे दिन गुरुवार 14 दिसंबर 2023 को एनसीसी कैडेटों ने ड्रिल, पीटी एवं परेड आदि में जमकर पसीना बहाया। इसके अलावा हवलदार विकास गुरुंग के दिशा निर्देशन में ग्रुप कमांडर विजिट हेतु क्वार्टर गार्ड और सलामी शस्त्र की भी तैयारी कैंप में जोरों पर चली। इसके अतिरिक्त गुरुवार को कैंप में, कैंप कमांडेंट कर्नल एके सिंह के दिशा निर्देशन में आपदा प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास विषय पर आयोजित लेक्चर मेजर भरत यादव, कैप्टन योना पॉल, लेफ्टिनेंट अखिलेश कुमार पांडेय, फर्स्ट अफसर डॉक्टर राजेश मिश्रा, फर्स्ट अफसर एसके मौर्य ने दिया तथा कैडेटों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बरते जाने वाली सावधानियां व इस दौरान होने वाली समस्याओं से निपटने के तरीके बताए। इसके अलावा शिविर में समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भागलपुर से आई मेडिकल टीम ने कैडेटों का स्वास्थ्य परीक्षण कर छोटी–मोटी समस्याओं हेतु दवाइयां दी। दैनिक ट्रेनिंग में हवलदार विकास गुरुंग ने मैप रीडिंग पर डेमो व क्लास के अंतर्गत मैग्नेटिक कंपास के बारे में जानकारी दी इस दौरान सूबेदार मेजर कुलदीप सिंह तथा अन्य पी स्टाफ उपस्थित रहे।

जिले मे 102 नंबर की 14 नयी एम्बुलेंस को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे जिलाधिकारी अखंड प्रताप ने गर्भवती, प्रसूता, नवजात और दो साल तक के बच्चों द्वारा स्वास्थ्य इकाई तक आने और वहां से वापस जाने के लिए 102 नंबर एम्बुलेंस सेवा का इस्तेमाल करने की अपील की है । उन्होंने जिला जिलाधिकारी कार्यालय परिसर से 102 नंबर की 14 नयी एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखा कर गुरुवार को रवाना किया । यह एम्बुलेंस 14 पुरानी एम्बुलेंस के स्थान पर आई हैं। जिले में कुल 102 की 38 एम्बुलेंस और 108 की 35 एम्बुलेंस, एलएएस की चार सहित कुल 77 एम्बुलेंस क्रियाशील हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि 102 नंबर एम्बुलेंस सभी सरकारी अस्पतालों पर खड़ी रहती हैं । इन पर किसी भी मोबाइल नंबर या लैंडलाइन के जरिये कॉल करके सरकारी प्रावधानों के अनुसार 24 घंटे सेवा ले सकते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश झा ने कहा कि इस समय औसतन एक दर्जन लाभार्थी प्रतिदिन इस सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं । गर्भवती जब कभी भी प्रसव पूर्व जांच के लिए सरकारी अस्पताल आती हैं तो वह इस सेवा का उपयोग कर सकती हैं । उन्हें यह एम्बुलेंस न केवल घर से अस्पताल तक लाएगी बल्कि घर पर भी वापस छोड़ेगी । सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाले बच्चों को घर ले जाने के लिए भी इस एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया जाता है । दो साल तक के बच्चे को अगर स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत हो तो सरकारी अस्पताल तक लाने और घर ले जाने के लिए इस सेवा का इस्तेमाल कर सकते हैं । नसबंदी सेवा अपना चुकी महिला को घर छोड़ने के लिए भी यह एम्बुलेंस उपयोग में आती है। डॉ झा ने बताया कि 102 नंबर एम्बुलेंस सेवा एक बेसिक लाइफ सपोर्ट सेवा है और इसमें प्राथमिक देखभाल की सभी सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। इसके पायलट और इमर्जेंसी मेडिकल टेक्निशियन (ईएमटी) प्रशिक्षित होते हैं और विशेष परिस्थिति में एम्बुलेंस में भी सुरक्षित प्रसव करवा सकते हैं । गर्भवती और दो साल तक के बीमार बच्चों को एक सरकारी अस्पताल से दूसरे उच्च सरकारी अस्पताल तक ले जाने में भी इस एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया जाता है । एम्बुलेंस सेवा के नोडल अधिकारी डॉ संजय चंद की देखरेख में एम्बुलेंस हेल्प डेस्क भी कार्य करता है । वहां सेवाएं लेने वाली लाभार्थी हेल्प डेस्क की मदद से घर जाने के लिए भी सम्पर्क कर सकती हैं। इस अवसर पर एसीएमओ आरसीएच डॉ संजय चंद, एसीएमओ डॉ संजय गुप्ता, डीपीएम पूनम , जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल, रीजनल मैनेजर पीयूष कुमार सिंह, प्रोग्राम मैनेजर श्याम सुंदर यादव, और जिला प्रभारी राहुल पाण्डेय, प्रेम शरण यादव, संतोष कुमार भी प्रमुख तौर पर मौजूद रहे। नजी अस्पताल ले जाने पर प्रतिबंध एम्बुलेंस सेवा का संचालन कर रही संस्था जीवीके ईएमआरआई के प्रोग्राम मैनेजर श्याम सुंदर यादव ने बताया कि 102 नंबर एम्बुलेंस लाभार्थी को सिर्फ निकटतम सरकारी अस्पताल ले जाती है। वहां से रेफर किये जाने पर उच्च चिकित्सा केंद्र ले जाती है। यह एम्बुलेंस किसी भी दशा में निजी अस्पताल तक मरीज को ले जाने के लिए अधिकृत नहीं है। हौसला साझेदारी के तहत सम्बद्ध निजी अस्पताल सूर्या क्लिनिक के लाभार्थियों को भी एम्बुलेंस की सेवा सरकारी प्रावधानों के अनुसार मिलती है। जरूरतमंदों के लिए वरदान है सदर ब्लॉक की आशा कार्यकर्ता निर्मला देवी का कहना है कि जरूरतमंद लोगों के घर की महिलाएं और बच्चे इस एम्बुलेंस का अधिक इस्तेमाल करते हैं । एम्बुलेंस की 102 नंबर सेवा को कॉल करने पर यह समय से मिल जाती है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर वही वर्ग करना चाहता है जिसके पास पैसे की दिक्कत है, हांलाकि सभी लोगों को सेवा का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कैबिनेट मंत्री के काफिला में शामिल रहेंगे हजारों मोटरसाइकिलों सवार कार्यकर्ता

देवरिया

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही का आगमन 15 दिसम्बर को कस्बे के मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर संस्थान परिसर में होगा। वे वहां पहुंचकर स्वर्गीय केशर देवी बालिका कामन हाल का लोकार्पण करेंगे। तत्पश्चात तक्षशिला ग्रंथालय के डिजिटलीकरण का अवलोकन करेंगे। यह जानकारी संस्थान के प्रबंधक, वरिष्ठ भाजपा नेता व कार्यक्रम के आयोजक राघवेंद्र वीर विक्रम सिंह ने तैयारी

व्यवस्था का जायजा लेने के दौरान कहीं।उन्होंने बताया है की भीड़ को देखते हुए उनके रूट का डायवर्सन किया गया है। वे देवरिया से सलेमपुर पहुंचेंगे, सलेमपुर से मझौली राज पहुंचेंगे। वहां से तहसील रोड़ न पहुंचकर,फुलवरिया चौराहे पहुंचेंगे।

आदेश के छह दिन गुजरे नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

कम्प्यूटर आपरेटर ने मजदूरों की डकारी थी मजदूरी

संवाददाता

सुमेरपुर–हमीरपुर । श्रम उपायुक्त के आदेश के छह दिन गुजर जाने के बाद खंड विकास अधिकारी ने मजदूरों की मजदूरी अपने और पत्नी के खाते में ट्रांसफर करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ मुकदमा नहीं दर्ज कराया है। चर्चा है की बीडीओ कंप्यूटर ऑपरेटर को बचाने के चक्कर में मामले को जानबूझकर लटकाए हुए हैं। यह प्रकरण ब्लॉक में चर्चा का विषय बना हुआ है। ब्लांक कार्यालय के मनरेगा सेल में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर ने अलग–अलग ग्राम पंचायत में आवास निर्माण में लगाए गए मजदूरों की मजदूरी खाता बदलकर अपने तथा अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर कर ली थी। करीब साढ़े चार लाख रुपए ऑपरेटर ने हड़पे है। जांच के बाद दोषी पाए जाने पर श्रम उपायुक्त मनरेगा मनोज कुमार राय ने बीते 8 दिसंबर को खंड विकास अधिकारी को पत्र भेजकर ऑपरेटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। तब से छह दिन गुजर जाने के बाद आदेश ब्लांक कार्यालय में ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। बीडीओ मनरेगा एपीओ से मुकदमा दर्ज करने की जुगत में है। डीडीओध्प्रभारी बीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एपीओ मनरेगा को मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दिए गए। लेकिन एपीओ खुद को संविदा कर्मी बताकर इस प्रकरण से खुद को अलग कर लिया है। चर्चा है की बीडीओ जानबूझकर इस प्रकरण को लटका रहे हैं। तभी छह दिन गुजर जाने के बाद मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

प्रतिबंधित लकड़ी होने की आशंका पर वन विभाग ने रोका ट्रक

नरायनपुर के पास ट्रक की हो रही सघन जांच

सुमेरपुर–हमीरपुर । सुमेरपुर कस्बे से लकड़ी लादकर कानपुर की तरफ जा रहे ट्रक को वन विभाग की टीम ने हाईवे में नरायनपुर के समीप रोककर प्रतिबंधित लकड़ी होने की आशंका के चलते जांच पड़ताल शुरू की है। बतादें कि कस्बे में बड़े पैमाने पर लकड़ी का कारोबार किया जा रहा है। प्रतिदिन कई ट्रक लकड़ी कस्बे से बाहर जाती है।

गुरुवार को एक ट्रक कस्बे से लकड़ी लादकर कानपुर की ओर जा रहा था। किसी ने वन विभाग को प्रतिबंधित लकडी लादकर ले जाने की सूचना दी। सूचना पाकर वन विभाग की टीम ने लकड़ी से लदे ट्रक को हाईवे मे नरायनपुर गांव के समीप रोककर जांच पड़ताल शुरू की है। वन कर्मी रामगोपाल पाल ने बताया कि शिकायत मिलने पर ट्रक को रोक लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल अभी तक प्रतिबंधित लकड़ी जैसी कोई सामग्री ट्रक मे नहीं मिली है। आशंका को पुख्ता करने के लिए ट्रक को खाली कराया जा रहा है।

लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

सरीला–हमीरपुर। गांव गांव पहुंच रही विकसित भारत संकल्प यात्रा गुरुवार को विकास खंड सरीला के मनकहरी गांव पहुंची जहां पर लोगों को एलसीडी स्क्रीन पर सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही विकसित भारत संबंधी शपथ जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा दिलाई गई। इस मौके पर नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में लोगों को यात्रा के साथ आई एलसीडी स्क्रीन पर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई , इस मौके पर स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें स्वागत गीत के अलावा सवा रुपया लूंगी दही तुम्हें तब दूंगी, हम बच्चे हिंदुस्तानी, तिरंगा ऊंचा रहेगा को सराहा गया किसान सत्तीदीन ने हरा भरा वीरों से हरदम मेरा हिंदुस्तान रहा सुनाकर लोगों को भाव विभोर कर दिया इसके बाद लोगों को विकसित भारत सम्बन्धी शपथ जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह द्वारा दिलाई गई तथा किसान सम्मान निधि, प्रधान मंत्री आवास सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए कार्यक्रम का संचालन पुष्पेन्द्र त्रिपाठी द्वारा किया गया इस मौके पर ग्राम प्रधान तुलसीदास यादव के अलावा सप्लाई इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार,प्रधानाध्यापक जयहिंद वर्मा, अध्यापक रामौतार प्रजापति, सचिव मुकेश कुमार तथा विकास, कृषि, राजस्व सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी तथा भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे हैं।

अन्ना पशुओ के विचरण से किसान परेशान

कुरारा–हमीरपुर(आरएनएस)। कुरारा विकास खंड क्षेत्र के ककरऊ गांव में स्थित अन्ना पशु आश्रय स्थल में सर्दी से बचाव के लिए पशुओं के लिए ग्राम पंचायत द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की गई है। तथा साफ सफाई व्यवस्था भी नहीं है। ग्रामीणों ने बताया की रात में पशुओं को छोड़ दिया जाता है। जिससे फसलों का नुकसान हो रहा है। किसान रात में जाग कर फसल की रखवाली करने को मजबूर हो रहे हैं। क्षेत्र के ककरऊ ग्राम पंचायत में अन्ना गोवंश को संरक्षित रखने के लिए अन्ना पशु आश्रय स्थल बनाया गया है। लेकिन इसमें पशुओं को सर्दी से बचाव के लिए अभी तक तीन शेड की व्यवस्था नहीं की गई है। पशु सर्दी में बाहर रहते हैं।

डिफेंस कारिडोर निर्माण को लेकर हुआ विचार विमर्श

संवाददातां चित्रकूट। डीएम अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीडा के साथ डिफेंस कॉरिडोर के लिए भूमि क्रय एवं अवस्थापना संबंधी कार्यों को लेकर विचार विमर्श के लिए बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि राजापुर के लगभग चार ग्राम हैं। इसमें कुछ गांव की चकबंदी की समस्या है। उन्होंने बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को निर्देशित किया कि गाटा बनाएं और सर्वे कर तीन दिन के अंदर प्रेषित करें। अधिशासी अभियंता जल निगम से यमुना नदी से पानी लाने के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि रोड के किनारे के माध्यम से पाइप लाइन को शिफ्ट किया जाएगा। राजापुर पहाड़ी हाईवे पर जो वन आच्छादित हैं उनके एनओसी के बारे में जानकारी की। सिंचाई विभाग व लघु डाल से भी एनओसी को निर्देशित किया। कहा कि वन विभाग, जल निगम व नेशनल हाईवे तीनों संयुक्त रूप से सर्वे कर पाइप लाइन कहां से डाला जाए एवं वन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग का कितना प्रतिशत आ रहा है सर्वे कर अवगत कराए। एक एमएमडी व चार एमएलडी रा वॉटर एवं एक से डेढ़ एमएलडी ड्रिंकिंग वॉटर क्षमता को भी बढ़ाए। अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित किया कि सीवर व वाटर सप्लाई के लिए एसटीपी भी बनवाए। उन्होंने डिफेंस से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी की। भरतकूप से बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से देवांगन एयरपोर्ट तक एक्सप्रेस वे के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि भरतकूप के पास स्कूलों से आ रही रोड को शिफ्ट किया जाए।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक-शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।